वि.सं. २०२५



| ता. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योग | चंद्रराशि | दि. | मा | सू. | उ. | भा | अं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | शु. | १५ | १२ | १२ | चि. | ४० | २४ | ह. | ३८ | ४८ | बा. | ३९ | २२ | काण | १२।८ | ३१ | ४० | ५ | ४० | २४ | १३ |

शाके १८९० भारतीय वैशाख २४ Aयात्रा २२ धारा स्नान ) वैशाख स्नानारम्भः ।
मेषेर्कः १४।४९ सं. मन्वादि ( तुवाकोट देवी A

श्रीमन्मङ्गल मूर्तयेनमः ॥ सजयति सिन्दूर वदनो देवोयत् पाद पङ्कज स्मरणम् । वासर मणिरिव तमसां राशीन्नाशयति बिघ्नानाम् ॥ अचिन्त्या व्यक्तरूपाय निर्गुणाय गुणात्मने । समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ अत्रहि षष्ठयाद्वानां मध्ये वार्हस्पत्य मानेन रौद्रनाम संवत्सरो गतो दुर्मति नाम संवत्सरः प्राप्तः । तस्यमेषार्कात्प्राग्भुक्त मासादयः ४।२९।२।२४ भोग्यमासादयः ७।०।५७।३६ अतः परं दुन्दुभि नाम संवत्सरो भविष्यति। अथोभय संवत्सर फले-दुर्मत्यब्देखिलालोका भूया दुर्मतयस्तथा । तथापि सुखिनः सर्वे संग्रामाः सन्ति चेदपि ॥ पूर्वं सस्याकुला धात्री पालिता धरणीश्वरैः । सर्वदेश विनाशं स्यात्तस्मिन्दुन्दुभि वत्सरे ॥ अथ गुरुदय फलं-फाल्गुनाब्दे चोरभीतिः क्षीणां दुर्भगता भृशं । क्वचिद्वृष्टिः क्वचित्सस्यं क्वचिद्गीतिर्मतिः क्वचित् ॥ राजा शुक्र फलं-यव गोधूम शालीक्षु फल पुष्पार्घं वृष्टिभिः । संपूर्णा निखिला धात्री भृगुपुत्रस्य वत्सरे ॥ मन्त्री शनि फलं-मन्द फला निखिलधरा नवारि मुञ्चन्ति वारिधराः । दिनकर तनये सचिवे प्रभया रहितं जगत्सर्वम् ॥ धान्येशः सूर्यः फलं-सूर्ये धान्यपतौ वैरमना वृष्टि भयं तथा । अधर्म निरता लोका राजानः क्रूर शासनाः ॥ मेघेशः शुक्र फलं-शुक्रो मेघाधिपतिः कामी जनानां सुखा वहो भवति । गावः प्रभूत दुग्धा वहुधा सस्य संपूर्णा ॥ रसेशो गुरु फलं-रसनाथे दिविज गुरौ चन्दन कर्पूर कन्दमूलानि । सुरभातिरसा न्यखिला न्यतुलं सीदन्ति कुंकुमाद्यानि ॥ सस्याधिपो भौमः फलं-सीदन्ति सस्य निचया भुवि भौमे सस्यपेच किलोक्ष भयात् । अपराखिल धान्य भयं क्वचिद् क्वचिद्भवति शस्त्रभयम् ॥ नीरसाधिपः सोमफलं-शुक्ल वर्णादि वर्णानां मुक्ता रजतवाससां । अर्घ वृद्धि प्रजायेत शशाङ्केनीरसाधिपे॥ अथार्द्रा प्रवेशे तिथ्यादि फलं-द्वादश्यां शुभदः प्रोक्तः शुक्रवारे च शान्तिदः । भरण्यामशुभ प्रोक्तः सुकर्मायां सुकर्म कृत् ॥ अस्तं गतार्द्रा वहुसस्य संपदिति ॥ नव मेघानां तमः-तमोमेघे नवृष्टिस्यादिति । चतुर्मेघाना मावर्तः-आवर्ते छिन्न वृष्टिस्यादिति ॥ द्वादश नागानां अश्वतरः-जायतेश्वतरे स्वल्पं जलं सस्यञ्च नश्यति ॥ अथ रोहिणी चक्रं समुद्रे पतति-अतिवृष्टिः समुद्रे स्यादिति ॥ अथ जलाढक संख्या १०० समुद्रे ५० पर्वते ३० भूमौ २० । वर्षा ५ सुधान्यं ७ तृणः १५ शीतः ११ तेजः ५ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ । क्षुधा ३ तृषा ५ निद्रा ११ आलस्यं ५ उद्यमं १५ शान्तीः ५ क्रोधः ५ दम्भः ५ लोभः ३ मैथुनं १५ रसनिष्पत्तिः ९ फलनिष्पत्तिः १३

| ० | सू. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| के. | ० | ० | ११ | ४ | ११ | ११ | ११ |
| १ | ० | १७ | २३ | ३ | १३ | २१ | २४ |
| गा. | ० | २० | ३८ | २४ | ८ | ४० | १२ |
| ७ | ० | ३९ | १६ | २५ | ४२ | २१ | ४७ |
| १४ | ५८ | ४३ | १११ | २ | ७४ | ७ | ३ |
| ४९ | ४५ | २४ | ४६ | ४७ | ३३ | ४६ | ११ |




अथाष्टोत्तरीय विंशोत्तरीय मताभ्यामाय व्ययचक्रं-

| लग्नाः | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कुं. | मी. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आयः | २ | ११ | १४ | ८ | ११ | १४ | ११ | २ | ५ | ८ | ८ | १ |
| व्ययः | ८ | १४ | ११ | ११ | ५ | ११ | १४ | ८ | १४ | ८ | ८ | १४ |
| आयः | ११ | ५ | ११ | ५ | ८ | ११ | ५ | ११ | ८ | २ | २ | ८ |
| व्ययः | ५ | १४ | ११ | ८ | ५ | ११ | १४ | ५ | ११ | १४ | १४ | ११ |

उत्साहः ११ । उग्रः १ पापं ७ पुण्यं ३ व्याधिः ११ व्याधि नाशः १३ आचारः ११ अनाचारः ११ मरणं ३ जन्म ७ देशोपद्रवः ५ देशोपद्रव नाशः १ चोरभयं १७ चोरभयनाशः ३ अग्निभयं ११ अग्नि भयनाशः ९ । उद्भिज्जा ३ जरायुजा ३ अण्डजा ३ स्वेदजा ३ । शलभाः ३ मूषकाः ९ शुकाः ३ हेमं ११ ताम्रं ११ स्वचक्रं १५ परचक्रं इति संक्षिप्त वर्ष फलम् ।

(१२) श्री वि. सं. २०२५( नेपाली सं. १०८८ चौलागा ) वैशाख कृष्णः उत्तरायणं वसन्ततुः (अप्रैल ) पा. उभा. रे.

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घं. | प. | योगाः | चन्द्रराशिः | दि. | मा. | सू. | उ. | भा | घं. | शाके १८९० भारतीय चैत्र २५ देखि वैशाख ७ तक. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २ | र. | १ | ६ | ३४ | स्वा | ३६ | २० | ध. | २१ | २१ | तै. | ३३ | ३६ | लुम्ब | तु. | ३१ | ४४ | ५ | ३९ | २५ | १४ | त्रिपुष्करः ३६।३० उ. वक्रे गा मघायां १ गुरुः ५०।१ (बुँगद्यवँ) |
| | ३ | सो. | २ | ५४ | ३५ | वि. | २२ | २४ | सि. | २३ | ३८ | व. | २७ | ३६ | मित्र | १८\|२५ | ३१ | ४८ | ५ | ३८ | २६ | १५ | भ. २७।३६ उ. ५४।३५ या. ( सकोया ) R रेवत्यां शुक्रः ४।५२ |
| प्र. | ४ | म. | ४ | ४८ | ३६ | अ. | २८ | १७ | व्य. | १५ | ५५ | व. | २१ | ३५ | वज्र | वृ. | ३१ | ५३ | ५ | ३८ | २७ | १६ | अश्विन्यां २ सूर्यः३९।४ भरण्यां ३ भौमः५३।१५ मेषे बुधः३९।४४R |
| | ५ | बु. | ५ | ४२ | ५५ | ज्ये. | २४ | २६ | व. | ८ | २१ | कौ. | १५ | ४५ | ध्वांक्ष | २४\|२६ | ३१ | ५७ | ५ | ३७ | २८ | १७ | |
| प्र. | ६ | बृ. | ६ | ३७ | ४४ | मू. | २० | ५६ | प. | ५४ | १७ | ग. | १० | १९ | धूम्र | ध. | ३२ | १ | ५ | ३६ | २९ | १८ | भ. ३७।४४ उ. B १०।१८ मेषे शुक्रः ५३।४५ |
| | ७ | शु. | ७ | ३३ | ९ | पू. | १८ | ३ | सि | ४८ | ३ | वि. | ५ | २६ | प्रवर्द्ध | ३२\|३१ | ३२ | ५ | ५ | ३५ | ३० | १९ | भ. ५।२६ या अष्टमी व्रतं |
| | ८ | श. | ८ | २९ | २६ | उ. | १५ | ५६ | सा. | ४२ | ३१ | बा. | ५८ | १५ | राक्षस | म. | ३२ | ८ | ५ | ३४ | ३१ | २० | अश्विन्यां ३ सूर्यः ४।२१ |
| | ९ | र. | ९ | २६ | ४२ | श्र. | १४ | ४६ | शु. | ३७ | ५० | व. | ५५ | ५४ | गद | ४४\|४४ | ३२ | ११ | ५ | ३४ | १ | २१ | भ.५५।५४ उ. भरण्यां ४ भौमः ३२ धनिष्ठा पञ्चक प्रवृत्तिः४४।४४ |
| | १० | सो. | १० | २५ | ६ | ध. | १४ | ४२ | शु. | २४ | ५ | व. | ५४ | ५४ | शुभ | कुं. | ३२ | १४ | ५ | ३३ | २ | २२ | भ. २५।६ या. |
| | ११ | म. | ११ | २४ | ४३ | श. | १५ | ४९ | ब्र. | ३१ | १८ | कौ. | ५५ | १० | मृत्यु | कुं. | ३२ | १७ | ५ | ३३ | ३ | २३ | वरूथिनी ए.ब्र. सर्वेषां त्रिपुष्करः २४।४३ उ. अश्विन्यां ४ सूर्यः P |
| प्र. | १२ | बु. | १२ | २५ | ३७ | पू. | १८ | ११ | ऐं. | २९ | ३० | ग. | ५६ | ४२ | पद्म | २\|३५ | ३२ | २० | ५ | ३२ | ४ | २४ | प्रदोष व्रतं N पश्चिमास्तो भौमः २२।२४ कृत्तिकायां भौमः B |
| | १३ | बृ. | १३ | २७ | ४७ | उ. | २१ | ४७ | वै. | २८ | ४३ | वि. | ५९ | २५ | छत्र | मी. | ३२ | २३ | ५ | ३२ | ५ | २५ | भ. २७।४७ उ. ५९।२५ या. रेवत्यां ३ शनिः ४२।३१ |
| | १४ | शु. | १४ | ३१ | ४ | रे. | २६ | ३० | वि. | २८ | ४६ | श. | ३१ | ४ | श्रीवत्स | २६\|३० | ३२ | २७ | ५ | ३१ | ६ | २६ | (मातातिचह्ले)भरण्यां१सूर्यः५५।१४धनिष्ठापञ्चकनिवृत्तिः२६।३०N |
| | १५ | श. | ३० | ३५ | १९ | अ. | ३२ | १३ | प्री. | २९ | ३५ | च. | ३ | ११ | सौम्य | मे. | ३२ | ३० | ५ | ३१ | ७ | २७ | दर्श श्राद्धं मातृतीर्थं स्थानं P २९।३५ भरण्यां बुधः ४२।२ |

वै. कृ. १, १४ शा. शु. १

| १ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वै. | ० | ० | ० | ४ | ११ | ११ | ११ |
| ८ | ६ | २२ | ६ | ३ | २१ | २२ | २३ |
| ग. | ५० | २४ | ४८ | ११ | ४८ | ३६ | ५० |
| ७ | ३२ | ५२ | ४० | ६ | २० | ११ | ३० |
| १५ | ५८ | ४३ | ११ | १ | ७४ | ७ | ३ |
| ९ | २८ | ३ | २८ | २८ | २५ | ४६ | ११ |

शा. शु. २

| २ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वै. | ० | ० | ० | ४ | ० | ११ | ११ |
| १५ | १३ | २७ | १९ | ३ | ० | [illegible] | [illegible] |
| ग. | ३९ | २१ | ४७ | ८ | २६ | ३१ | २८ |
| ७ | ३४ | ३८ | ३ | ३५ | ४८ | ३५ | १३ |
| १५ | ५८ | ४२ | १०८ | १ | ७४ | ७ | ३ |
| २३ | १४ | ५९ | ५१ | १ | १७ | २९ | ११ |

२
शु. रा. १२
३
सू.मं.बु. १
११
४
१०
५ बृ.
७
९
के. ६
८

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | ला.भं: | का.ना. | कुचिाक | श्रीप्रा. | धनलाभः | छ.ना. | व्ययः | लाभः | सुखी | नृ.भ. | कष्टम् |
| कं | तुं | दिं | कं | रिं | कें | तं | कुं | पं | मं | कें | मीं |
| श्या.ना. | व्ययः | लाभः | क.प्रा. | का.श्रं. | कष्टम् | गमनं | श.ना. | दैन्यम् | मा.ना. | श्रीप्रा. | भयम् |

ह.चि.स्वा.----------गमनं
वि.अ.ज्ये.मू.पू.उ.-----सुखम्
श्र. ध. श.-------पीडा
पू.उ.रे. अ.भ.कृ.-----धनम्
रो. मृ.आ.----------हानिः
पु. लि. अ. म. पू.उ.---धनम्

( वैशाख ) श्री विक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्री सूर्योत्तरायणे वसन्ततौं चैत्र शुक्ल पूर्णिमा पर वैशाख कृष्ण प्रतिपत्तिथौ चित्रानक्षत्रे हर्षण योगे बालव करणे शनि वासरे श्रीसूर्योदयाद्गत घटीषुः १४।४९ श्रीसूर्यो मीनान्मेषं प्रविष्टस्तदा चैत्रो गतो वैशाखः प्राप्तः। वारतो राक्षसी अन्त्यज सुखा नक्षत्रतो मन्दाकिनी क्षत्रिय सुखा कालतो द्विजघ्नी विषुवती नाम्नी मेष संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं-व्याघ्रारूढा अश्वोपवाहना पीतवस्त्रा गदायुधा रौप्यपात्र हस्ता परमान्नाशना कुंकुम लेपा भूतजातिः जातिपुष्पा निविष्टा भोग्यावस्था किङ्किण्या भरणा कुमारी दक्षिणमुखा मुहूर्ताः३० धान्यर्घं वृष्टिषु समफलदा मासदेवता मधुसूदनः मासार्को भानुः मेषेसूर्यः तुलायां चन्द्रः सिंहेगुरूः तिथिवारञ्चेति पठेत्।

| | ग. | वा. | ति. | घं. | प. | न. | घं. | प. | यो. | घं. | प. | क. | घं. | प. | योगाः | चंद्रराशिः | दि. | मा. | सु. | उ. | भा. | अं. | शाके १८९० भारतीय वैशाख ८ देखि २२तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १६ | र. | १ | ४० | १५ | भ. | ३८ | २८ | आ. | ३० | ५४ | किं. | ७ | ४७ | काल | २५ ७ | ३२ | ३३ | ५ | ३८ | ८ | २८ | त्रिपुष्करः ४०।१५ उ.। Cचर्या२ सूर्यः २१।१७वृषे भौमः४९।२८[ |
| | १७ | सो. | २ | ४५ | २६ | कृ. | ४५ | ५ | सौ. | ३२ | ३२ | वा. | १२ | ५० | सुस्थिर | वृ. | ३२ | ३७ | ५ | २९ | ९ | २९ | रेवत्यां२राहुः हस्तेऽ४ केतुः ५०।१५ । [कृत्तिकायां बुधः ५८।३ |
| | १८ | मं. | ३ | ५० | २६ | रो. | ५१ | ३० | शो. | ३४ | ४ | तै. | १७ | ५६ | मातङ्ग | वृ. | ३२ | ४० | ५ | २९ | १० | ३० | अक्षय तृ. धर्मघटादि दानं त्रेतायुगादि परशुरामजयंती मरC |
| प्र. | १९ | बु. | ४ | ५[illegible] | ५२ | मृ. | ५७ | २१ | अ. | ३५ | १४ | व. | २२ | ३९ | अमृत | २४ २५ | ३२ | ४३ | ५ | २८ | ११ | १ | अ. २२।३९ उ. ५४।५२ या. (सि. ५ ता. ३१ ) बुधमार्गी मःQ |
| | २० | बृ. | ५ | ५८ | २४ | आ. | ६० | ० | सु. | ३५ | ४६ | व. | २६ | ३८ | काण | मि. | ३२ | ४६ | ५ | २७ | १२ | २ | कृत्तिकायां २वृषेबुधः ५४।१९। Sदितो बुधः ७।२६ मार्गीगुरुः१६ |
| | २१ | शु. | ६ | ६० | ० | आ. | २ | १९ | धृ. | ३५ | ३१ | कौ. | २९ | ३६ | पद्म | ५० १६ | ३२ | ४९ | ५ | २६ | १३ | ३ | भरण्यां ३ सूर्यः ४७।३४। Qमत्स्येन्द्रनाथको यात्रा। पश्चिमेS |
| १. | २२ | श. | ६ | ० | ४९ | पु. | ६ | १५ | शू. | ३४ | १९ | ग. | ३१ | २५ | छत्र | क. | ३२ | ५२ | ५ | २६ | १४ | ४ | गङ्गोत्पत्तिः त्रिपुष्करः ०।४९ उ. ६।१५ या.। |
| | २३ | र. | ७ | २ | १ | ति. | ८ | ५४ | गं. | ३२ | ८ | वि. | ३१ | ५८ | श्रीवत्स | क. | ३२ | ५५ | ५ | २५ | १५ | ५ | अ. २।१ उ. ३१।५८ या. कृत्तिकायां ३ भौमः १६।४०। |
| | २४ | सो. | ८ | १ | ५६ | अ. | १० | २० | वृ. | २८ | ५७ | बा. | ३१ | १५ | सौम्य | १० २० | ३२ | ५८ | ५ | २४ | १६ | ६ | अष्टमीव्रतं मार्गेण भरण्यां २ गुरुः २।४२। |
| | २५ | मं. | ९ | ०/५८ | ३४/३ | म. | १० | ३२ | ध्रु. | २४ | ५० | तै. | २९ | १८ | काल | सिं. | ३३ | २ | ५ | २४ | १७ | ७ | भरण्यां ४ सूर्यः १४।२७ भरण्यां शुक्रः ४१।२८। |
| | २६ | बु. | ११ | ५४ | २९ | पू. | ९ | ३८ | व्या. | १९ | ४९ | व. | २६ | १६ | सुस्थिर | २४ ९ | ३३ | ५ | ५ | २३ | १८ | ८ | अ. २६।१६ उ. ५४।२९ या. स्नानांतो दिनोद्.ब्रः रोहिण्यां R |
| | २७ | बृ. | १२ | ५० | ३ | उ. | ७ | ४५ | ह. | १४ | १ | व. | २२ | १६ | मातङ्ग | कं. | ३३ | ८ | ५ | २२ | १९ | ९ | वैष्णवानां मोहिनी ए.व्र.। Rबुधः ४७।४१ |
| | २८ | शु. | १३ | ४४ | ५५ | ह. | ५ | ३ | व. | ७ | ३३ | कौ. | १७ | २९ | अमृत | ३३ २२ | ३३ | १२ | ५ | २१ | २० | १० | कृत्तिकायां १ सूर्यः ४२।३० कृत्तिकायां४ भौमः ११।५६ [illegible] |
| | २९ | श. | १४ | ३९ | १६ | चि. | [illegible] | [illegible] | सि. | [illegible] | [illegible] | ग. | १२ | ५ | काण | तु. | ३३ | १५ | ५ | २१ | २१ | ११ | अ. ३९।१६ उ. नृसिंह जयन्ती। |
| | ३० | र. | १५ | ३३ | १७ | वि. | ५३ | ४६ | व. | ४५ | ३८ | वि. | ६ | १६ | उत्पात | ३९ ४७ | ३३ | १८ | ५ | २० | २२ | १२ | अ. ६।१६ या. चण्डी पूर्णिमाव्रतं (स्वयम्भुपुजी-बौद्धजयन्ती) |

१८ गा. सं. २, २० गा. जे. २,

| ३ | र. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वै. | ० | १ | १ | ४ | ० | ११ | ११ |
| २२ | २० | २ | २ | ३ | ९ | २४ | २३ |
| ग. | २७ | ३६ | १९ | १५ | ५ | ५४ | ५ |
| ७ | ५ | ५ | ४९ | ९ | ३७ | ३९ | ५६ |
| १५ | ५८ | ४३ | १०३ | २ | ७४ | ७ | ३ |
| ३५ | ० | ८ | १३ | ४३ | ८ | १९ | ११ |

| ४ | र. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वै. | ० | १ | १ | ४ | ० | ११ | ११ |
| २९ | २७ | ७ | १३ | ३ | १७ | २५ | २२ |
| ग. | १२ | २५ | ५२ | ३० | ४३ | १५ | ४३ |
| ७ | ५ | १९ | १ | ४५ | ५१ | २८ | ३९ |
| १५ | ५७ | ४२ | ९३ | २ | ७४ | ७ | ३ |
| ४८ | ४८ | ३४ | ५९ | ३७ | १ | ४ | ११ |

मं.बु.२
रा.श.
३
सू.शु. १
१२
४
१०
५
७
९
के. ६
८

वैशाख शुक्ल तृतीयायां-यत्किञ्चिद्दीयते दानं स्वल्पं वा यदि वा बहु । तत्सर्वमक्षयं यस्मात्तेनेयमक्षयाः स्मृता ॥ अस्मिन्दिने धर्मघटादिं दान मन्त्रास्तु एष धर्म घटो दत्तो ब्रह्माविष्णु शिवात्मकः । अस्यप्रदानात्तृप्यन्तु पितरोपि पितामहाः । गन्धोदक तिलैर्मिश्रं साम्नं कुम्भ फलान्वितं । पितृभ्यः सम्प्रदास्यामि अक्षय्य सुपतिष्ठतु ॥ अथ प्रश्नतो वर्षस्य शुभाशुभ विचारमाह-तिथिवारर्क्ष योगानां युतिः संवत्सरान्विता । अष्टुनामाचारे युक्ता त्रिहृता शेषके फलम् ॥ एकेनक्लेशं समता द्वाभ्याञ्च त्रितये सुखम् ॥ गंगा सप्तमी महिमा-गंगाद्वारे कुशावर्ते बिल्वके नील पर्वते । तथा कनखले स्नात्वा धूतपाप्मा दिवं व्रजेत् ॥ द्वादशी महिमा-वैशाखमासे द्वादश्यां पूजयेन्मधुसूदनम् । अग्निष्टोममवाप्नोति सोमलोकञ्च गच्छति ॥ सम्पूर्णं मासे स्नाना शक्तौ वैशाख शुक्ल त्रयोदश्यादि दिन त्रयमन्ते स्नायात् । तदुक्तं-त्रयोदश्यां चतुर्दश्यां वैशाख्यां वा दिनत्रये । अपि सम्यग् विधानेन नारी वा पुरुषोऽपि वा । प्रातः स्नाने सनियमं सर्व पापैः प्रमुच्यते ॥

(१४) श्री वि. सं. २०२५ ( नेपाली सं० १०८८ बछलागा ) ज्येष्ठ कृष्णः उत्तरायणे ग्रीष्मर्तुः ( मई ) पा. अमि. श्र. उमा. रे.

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशि | दि.मा. | | सू.उ. | | मा. | क्र. | शाके १८८८ भारतीय वैशाख २३ देखि ज्येष्ठ ६ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ३१ | सो | १ | २७ | ८ | अ. | ४९ | २७ | प. | २७ | २८ | बा. | [illegible] | [illegible] | मानस | वृ. | ३३ | २२ | ५ | १९ | २३ | १३ | |
| | १ | म. | २ | २१ | ५ | ज्ये. | ४५ | ४० | त्रि. | २० | २८ | ब. | ४८ | ११ | मुद्गर | ४५।४० | ३३ | २५ | ५ | १९ | २४ | १४ | म.४८।११उ. वृषेर्कः १०१६ संक्रान्ति रोहिण्यां १ भौमः ५४।२१ |
| प्र. | २ | बु. | ३ | १५ | १८ | मू. | ४२ | ४ | वि | २३ | ८ | ब. | ४२ | ३९ | केतु | ध. | ३३ | २८ | ५ | १८ | २५ | १५ | म. १२।१८ या. ' पूर्वास्तः शुक्रः ४।४९ |
| | ३ | बृ. | ४ | १० | ० | पू. | ३९ | १ | सा. | १६ | १६ | कौ. | ३७ | ४० | धाता | ५३।२६ | ३३ | ३१ | ५ | १८ | २६ | १६ | R शीर्षे बुधः ४।४७ कृत्तिकायां शुक्रः ३१।१८ |
| | ४ | शु. | ५ | ५ | २० | उ. | ३६ | ४२ | शु. | [illegible] | ५६ | ग. | ३३ | २५ | आनन्द | म. | ३३ | ३४ | ५ | १७ | २७ | १७ | कृत्तिकायां ३ सूर्यः २८।४६। |
| प्र. | ५ | श. | ६ | ५८ | [illegible] | श्र. | ३५ | १९ | ब्र. | ५ | ५७ | वि. | ३० | ५ | सुस्थिर | म. | ३३ | ३६ | ५ | १७ | २८ | १८ | म. ३।३१ उ. ३०।५ या. द्विपुष्करः ३२।१९ उ. ४८।३९ मृगR |
| | ६ | र. | ८ | ५६ | ५५ | ध. | ३५ | ० | ऐं. | ५५ | २० | बा. | २७ | ४७ | मातङ्ग | ५ ९ | ३३ | ३८ | ५ | १६ | २९ | १९ | अष्टमीव्रतं रोहिण्यां २ भौमः ३८।१२ धनिष्ठापञ्चक प्र. ५।९ |
| | ७ | सो | ९ | ५६ | २४ | श. | ३५ | ४७ | वै. | ५२ | ३२ | तै. | २६ | २९ | अमृत | कुं. | ३३ | ४० | ५ | १६ | ३० | २० | Aसूर्यः वृश्चिकेचन्द्रः सिंहेगुरुः तिथिवारश्चेतिपठेत्। |
| | ८ | म. | १० | ५७ | १० | पू. | ३७ | ५३ | वि. | ५० | ३३ | ब. | २६ | ४७ | काण | २२।२१ | ३३ | ४३ | ५ | १५ | ३१ | २१ | म. २६।४७ उ.५७।१० या. कृ.४ सूर्यः ७।२९ वृषेशुक्रः १२।४३। |
| | ९ | बु. | ११ | ५९ | १२ | उ. | ४१ | १२ | प्री. | ४९ | ३६ | ब. | २८ | ११ | लुम्ब | मी. | ३३ | ४५ | ५ | १५ | १ | २२ | स्मार्तानामपरा एकादशी व्रतं |
| | १० | बृ. | १२ | ६० | ० | रे. | ४५ | २१ | आ. | ४९ | ३२ | कौ. | २० | ४७ | मित्र | ४५।२१ | ३३ | ४७ | ५ | १४ | २ | २३ | वैष्णवानामपरा ए. व्र. रेवत्यां ४शनिः २५।४६ व. प.नि.४२।४१ |
| प्र. | ११ | शु. | १२ | २ | २३ | अ. | ५१ | ११ | सौ. | ५० | १८ | ग. | ५४ | २७ | वज्र | मे. | ३३ | ४९ | ५ | १४ | ३ | २४ | रोहिण्यां ३ भौमः २६।५३ मिथुने बुध. ३।११ प्रदोष व्रतं। |
| | १२ | श. | १३ | ६ | ३३ | भ. | ५७ | २१ | शो. | ५१ | २७ | वि. | २८ | २६ | ध्वांक्ष | मे. | ३३ | ५० | ५ | १४ | ४ | २५ | म. ६।३२ उ. ३८।५६ या. (सिठीनख)। |
| | १३ | र. | १४ | ११ | २० | कृ. | ६० | ० | अ. | ५३ | १३ | च. | ४३ | ५३ | धूम्र | १२।२९ | ३३ | ५१ | ५ | १३ | ५ | २६ | वटसावित्रीव्रतं। |
| | १४ | सो. | ३० | १६ | २६ | कृ. | ३ | ५५ | सु. | ५४ | ५१ | कि. | ४८ | २४ | सुस्थिर | वृ. | ३३ | ५३ | ५ | १३ | ६ | २७ | सोमवती दर्शश्राद्धम्। |

| [illegible] | ५ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ज्ये | १ | १ | १ | ४ | ० | ११ | ११ |
| | ५ | ३ | १२ | २३ | ३ | २६ | २६ | २२ |
| | ग. | ५५ | २१ | ३४ | ५८ | २१ | ४ | २१ |
| | ७ | ४५ | ५९ | ५२ | ४० | ० | ५९ | २२ |
| | १६ | ५७ | ४२ | ७९ | ४ | ७३ | ६ | ३ |
| | ० | ३८ | २१ | ३२ | १४ | ५२ | ४७ | ११ |
| | ६ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
| | ज्ये | १ | १ | २ | ४ | १ | ११ | ११ |
| | १२ | १० | १७ | १ | ४ | २ | २६ | २१ |
| | ग. | ३८ | १४ | ३ | ३२ | ५८ | ५१ | ५९ |
| | ७ | १७ | ३६ | ४६ | ० | ५२ | ५० | ५ |
| | १६ | ५७ | ४२ | ५२ | ५ | ७३ | ६ | ३ |
| | ७ | २८ | १० | २७ | २९ | ४८ | २६ | ११ |

३ शु.१ ४ सू.बु.मं.२ रा.श. बृ.५ ११ ६ के. ८ १० ७ ९

अ.ज्ये.मू. . . . . गमनं
पू.उ.श्र.ध.श.पू. .सुखम्
उ.रे.अ. . . . . .पीडा
भ.कृ.रो.मृ.आ.पु. .वधम्
ति.अ.म. . . . . . .हानिः
पू.पु.उ.ह.चि.वि.स्वाधनम्

(ज्येष्ठ श्रीविक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्रीसूर्योत्तरायणे ग्रीष्मर्तौ ज्येष्ठकृष्णा द्वितीयायां तिथौज्येष्ठानक्षत्रे शिवयोगे गरकरणे भौम वासरे श्रीसूर्योदयाद्गत घटीषु: १०१६ श्रीसूर्योमेषाद्वृषं प्रविष्टस्तदा वसन्तर्तुं वैशाखौ गतौ ग्रीष्मर्तुं ज्येष्ठौप्राप्तौ। वारतोसहोदरी चौरसुखा नक्षत्रतो राक्षसी अन्त्यजसुखा कालतः पश्चिमायाम् विष्णुपदीनाम्नी वृष संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं-गजारूढा खरोपवाहना रक्तवस्त्रा धनुरायुधा सीसपात्रहस्ता दुग्धाशना गोरोचनलेपा पशुजातिः बिल्वपुष्पा निविष्टा कुंकुमावस्था कङ्कणा भरणा प्रौढा वायव्यमुखा मुहूर्ताः १५ धान्यर्घ वृष्टिश्चनिष्ट फलदा मासदेवता त्रिविक्रमः मासार्कोऽइन्द्रः वृषे A

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशाः | दि.मा. | | सू. | उ. | भा. | अं. | शाके १८९० भास्कीय ज्येष्ठ ७ देखि २० तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १५ | म. | १ | २१ | २३ | रो. | १० | २६ | धृ. | ५६ | १० | बा. | ५३ | ३४ | मातङ्ग | ४३\|२६ | ३३ | ५४ | ५ | १३ | ७ | २८ | चन्द्रोदयः द्विपुष्कर: २१।२३ उ. रोहिण्यां २ सूर्यः ४।५७ F |
| | १६ | बु. | २ | २५ | ४६ | मृ. | १६ | २६ | शू. | ५६ | ५५ | तै. | ५७ | ३१ | अमृत | मि. | ३३ | ५५ | ५ | १२ | ८ | २९ | रोहिण्यां ४ भौमः १४।४४ रोहिण्यां शुक्रः १९।४१ । |
| प्र. | १७ | बृ. | ३ | २९ | १७ | आ. | २१ | ३६ | गं. | ५६ | ५३ | गा. | २९ | १७ | काण | मि. | ३३ | ५७ | ५ | १२ | ९ | ३० | F दशहरा स्नानारंभः । |
| | १८ | शु. | ४ | ३१ | ४१ | पु. | २५ | ४८ | वृ. | ५५ | ५८ | व. | ० | २९ | लुम्ब | ९\|४५ | ३३ | ५८ | ५ | १२ | १० | ३१ | अ. ०।२९ उ. ३१।४१ मा. रोहिण्यां ३ सूर्यः ३५।११ । |
| | १९ | श. | ५ | ३२ | ५२ | त्रि. | २८ | ४५ | ध्रु. | ५४ | २ | व. | २ | १६ | मित्र | क. | ३३ | ५९ | ५ | १२ | ११ | १ | वक्री बुधः ३३।१४ ( जून ६ ता. ३० ) । |
| प्र. | २० | र. | ६ | ३२ | ४६ | श्ले. | ३० | २५ | व्या. | ५१ | ६ | [illegible] | २ | ४९ | वज्र | ३०\|२५ | ३४ | ० | ५ | १२ | १२ | २ | कुमार षष्ठी ( सिठीनख-इनार सोहने दिन ) । |
| | २१ | सो. | ७ | ३१ | २३ | म. | ३० | ५२ | ह. | ४७ | १२ | ग. | २ | ४ | ध्वांक्ष | सिं. | ३४ | २ | ५ | १२ | १३ | ३ | अ. ३१।२३ उ. मृगशीर्षे १ भौमः ०।३३ । |
| | २२ | म. | ८ | २८ | ५१ | पू. | ३० | १४ | व. | ४२ | २५ | वि. | ५७/० | ३/७ | धूम्र | ४४\|४८ | ३४ | ३ | ५ | ११ | १४ | ४ | अ. ०।७ मा. [illegible] व्रतं रोहिण्यां ४ सूर्यः ४।३३ पश्चिमास्तो G |
| | २३ | बु. | ९ | २५ | १६ | उ. | २८ | ३५ | सि. | ३६ | ४७ | बै. | ५३ | २ | प्रवर्द्ध. | कं. | ३४ | ४ | ५ | ११ | १५ | ५ | G बुधः ३४।३५ । E स्नानं ( उपुल्लो ) । |
| | २४ | बृ. | १० | २० | ४९ | ह. | २५ | ५९ | व्य. | ३० | २८ | व. | ४८ | १४ | राक्षस | ५४\|२१ | ३४ | ५ | ५ | ११ | १६ | ६ | अ. ४८।१४ उ, श्री दशहरा रामेश्वर पूजा । |
| | २५ | शु. | ११ | १५ | ३९ | चि. | २२ | ४४ | व. | २३ | ३८ | व. | ४२ | ४८ | मुसल | तु. | ३४ | ६ | ५ | ११ | १७ | ७ | अ. १५।३९ मा. निर्जला एकादशीव्रतं सर्वेषाम् मृगशीर्षे १ I |
| प्र. | २६ | श. | १२ | ९ | ५७ | स्वा. | १९ | ० | प. | १६ | २३ | कौ. | २६ | ५६ | सिद्धि | तु. | ३४ | ७ | ५ | ११ | १८ | ८ | शनिप्रदोष व्रतं । I सूर्यः ३५।१९ मृगशीर्षे २ भौमः ५२।९ |
| | २७ | र. | १३ | [illegible] | [illegible] | वि. | १४ | ५६ | शि. | ८ | ५१ | ग. | ३० | ५० | उत्पात | ०\|५७ | ३४ | ८ | ५ | ११ | १९ | ९ | अ. ५७।४४ उ. मृगशीर्षे शुक्रः ११।५७ । |
| | २८ | सो. | १५ | ५१ | ३५ | अ. | १० | ४५ | सि. | [illegible] | [illegible] | वि. | २४ | ३९ | मानस | वृ. | ३४ | ९ | ५ | १० | २० | १० | अ. २४।३९ मा. मन्वादि पूर्णिमाव्रतम् गङ्गापूजा पनौती E |

| ७ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज्ये | १ | १ | २ | ४ | १ | ११ | ९ |
| १९ | १७ | २२ | ४ | ५ | १३ | २७ | [illegible] |
| घ. | १९ | ६ | २१ | १७ | ३६ | ३६ | ३ |
| ७ | ८ | ५७ | ३१ | २० | ४६ | ५९ | ४८ |
| १६ | ५७ | ४१ | १२ | ६ | ७३ | ६ | ३ |
| ९ | १९ | ५९ | ९ | १० | ४२ | १ | ११ |

| ८ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज्ये | १ | १ | २ | ४ | १ | ११ | ११ |
| २६ | २३ | २६ | २ | ६ | २२ | २८ | २१ |
| घ. | ५८ | ५६ | २६ | ८ | ११ | १८ | १४ |
| ७ | ५७ | ४५ | २८ | १७ | ३६ | १५ | ३१ |
| १४ | ५७ | ४१ | २७ | ७ | ७३ | ५ | ३ |
| १० | १२ | ५० | ५४ | २७ | ३४ | ५८ | ११ |




अथ दशहरायां दशयोगाः—ज्येष्ठे मासि सिते पक्षे दशमी बुध हस्तयोः । व्यतिपाते गरानन्दे कन्या चन्द्रे वृषे रवौ ॥ दशयोगे नरः स्नात्वा सर्वैः पापैः प्रमुच्यते ॥ दशहरायां गंगापूजन मन्त्रः--नमो भगवत्यै दशपाप हरायै गंगायै कृष्णायै विष्णु रूपिण्यै नन्दिन्यै नमोनमः ॥ ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दश्यां सावित्री मर्चयन्तियाः । वटमूले सोपवासा नता वैधव्यमाप्नुयुः ॥ ज्येष्ठ मासमा विशेष गरेर ई वस्तु होम दानगर्नू भनि पुराण हरूमा उल्लिखित छ-उदकुम्भाम्बु दानञ्च तालवृन्तं सचन्दनम् । त्रिविक्रमस्य प्रीत्यर्थं दातव्यं ज्येष्ठमासि तु ॥ चन्द्रमालाई अर्घ दिने मंत्र--क्षीरोदार्णव संभूत अत्रिगोत्र समुद्भव । गृहाणार्घं शशाङ्क त्वं रोहिणी सहितो मम ॥ दशहरा को महिमा पुराणहरूमा धेरै लेखिएको -नवमी को दिन जाग्राम बस भोली पल्ट दशमी को दिन गंगा स्नान गर्नाले दश किसिमका पाप नाश नै पितृहरूको पनि उद्धार हुन्छ भन्ने लेखिएको छ ।

६) श्री वि. सं. २०२५ । नेपाली सं. १०८८ तेङ्लागा ) आषाढ कृष्ण उत्तरायण ग्रीष्मर्तुः ( जून ) पा. उषा.उभा. रे. आर्द्रा.

| ता | वा | ति | घ | प | न | घ | प | यो | घ | प | क | घ | प | योगाः | चंद्रराशि | दि.मा | | सू.उ | | भा | अं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | म | १ | ५२ | ४४ | धे | ६ | ४२ | शू | ३१ | १८ | बा | १८ | २९ | मुद्गर | ६।४२ | २४ | १० | ५ | १० | २१ | ११ |
| १० | बु | २ | ४० | २१ | श्र | [illegible] | [illegible] | धृ | २९ | २१ | तै | १२ | २ | केतु | ध. | २४ | १२ | ५ | १० | २२ | १२ |
| २१ | बृ | ३ | २५ | २५ | ध | २७ | १६ | वृ | २२ | ५५ | व | ७ | ५८ | ध्वांक्ष | १४।८ | २४ | १२ | ५ | १० | २३ | १३ |
| १ | शु | ४ | २१ | २८ | श | ५५ | ३९ | ह | २७ | ७ | व | ३ | २६ | धूम्र | | २४ | १४ | ५ | ९ | २४ | १४ |
| २ | श | ५ | २८ | ४० | पू | ५५ | ४ | वै | २२ | १० | कौ | [illegible] | [illegible] | प्रवर्द्ध | १९।२१ | २४ | १६ | ५ | ९ | २५ | १५ |
| ३ | र | ६ | २६ | २० | उ | ५५ | ३३ | वि | १८ | ४ | वि | २६ | ३० | राक्षस | कुं | २४ | १७ | ५ | ९ | २६ | १६ |
| ४ | सो | ७ | २६ | ११ | रे | ५० | २१ | प्री | १४ | ५५ | बा | २६ | २९ | मुसल | ४१।५४ | २४ | १८ | ५ | ९ | २७ | १७ |
| ५ | म | ८ | २६ | ५८ | अ | ६० | ० | आ | १२ | ४७ | तै | २७ | ४४ | सिद्धि | मी | २४ | २० | ५ | ९ | २८ | १८ |
| ६ | बु | ९ | २८ | ४१ | अ | ० | २२ | सौ | ११ | ४० | ग | २८ | ४१ | शुभ | मी | २४ | २२ | ५ | ८ | २९ | १९ |
| ७ | बृ | १० | ३१ | ४२ | भ | ४ | ३४ | शो | ११ | २८ | व | ० | १२ | मित्र | ४।३४ | २४ | २३ | ५ | ८ | ३० | २० |
| ८ | शु | ११ | ३५ | ३५ | कृ | ९ | ५१ | अ | १२ | ५ | व | ३ | ४४ | वज्र | मे | २४ | २४ | ५ | ८ | ३१ | २१ |
| ९ | श | १२ | ४० | २९ | रो | १५ | ५२ | सु | १३ | १८ | कौ | ८ | ७ | ध्वांक्ष | ३२।२९ | २४ | २२ | ५ | ८ | १ | २२ |
| १० | र | १३ | ४५ | ३१ | मृ | २२ | २० | धृ | १३ | ५४ | ग | १२ | ० | धूम्र | वृ | २४ | २१ | ५ | ८ | २ | २३ |
| ११ | सो | १४ | २० | ५६ | आ | २८ | ५२ | शू | १६ | ३५ | वि | १७ | ५८ | प्रवर्द्ध | वृ | २४ | १९ | ५ | ८ | ३ | २४ |
| १२ | म | ३० | २४ | ४९ | पु | ३५ | ० | गं | १८ | ० | च | २२ | २७ | राक्षस | १।५६ | २४ | १८ | ५ | ८ | ४ | २५ |

शाके१८९० भारतीय ज्येष्ठ २१ देखि आषाढ ४ तक

मृगशीर्षे २ सूर्यः ५।५ । ॐ ( नक्तादिशी ) धनिष्ठा प. नि. H

मृगशीर्षे ३ मिथुने भौमः ४५।२ सवार्या २ गुरुः ११।५९ ।

स. ७।५८उ.३५।३५ या. वक्रेण मृगशीर्षे २वृषे बुधः ३१।१० ।

मिथुनेर्कः ३६।२ संक्रान्तिः मिथुने शुक्रः ३७।५७ ।

धनिष्ठा पञ्चक प्रवृत्तिः २५।२१ ।

स. २१।५० उ. ५६।२० या. त्रिपुष्करः ५५।३३ उ. ।

अष्टमी व्रतं मृगशीर्षे ४ भौमः ३३।५० ।

त्रिशूल यात्रा मृगशीर्षे ४ सूर्यः ६।१० ।

H ४।३४ पूर्वोदितो बुधः ५६।४८ आर्द्रायां शुक्रः ३।४८ ।

स. ०।१२ उ. ३१।४४ या. श्री ५ महेन्द्र वर्षाभि वृद्धिः ॐ

आर्द्रायां १ सूर्यः ३७।१३ योगिनी एकादशी व्रतं सर्वेषाम् ।

त्रिपुष्करः १५।५२ उ. ४०।२९ या. आर्द्रायां १ भौमः २९।५७ ।

स. ४५।३१ उ. प्रदोष व्रतम् ।

स. १७।५८ या. मार्गी बुधः १५।४५ ( दिलाचहे ) ।

आर्द्रायां २ सूर्यः ७।५१ दर्शश्राद्धं ।

३० ग. मं. ३, २१ ग. बु. २, ९ श. शु. शु. ३

| ९ | र | म | बु | गु | शु | श | रा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | २ | २ | १ | ४ | २ | ११ | ११ |
| २ | ० | १ | २७ | ७ | ० | २८ | २० |
| ग | २८ | ४४ | ९ | ६ | ४६ | ५५ | ५२ |
| ७ | १४ | ४१ | ५५ | ९ | ५२ | ५७ | १४ |
| १६ | ५७ | ४१ | ३४ | ८ | ७३ | ४ | ३ |
| १२ | ६ | ३३ | ५४ | ३१ | ३० | ५८ | ११ |

| १० | र | म | बु | गु | शु | श | रा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | २ | २ | १ | ४ | २ | ११ | ११ |
| ९ | ७ | ६ | २३ | ८ | ९ | २९ | २० |
| ग | १७ | २० | ४३ | ७ | २२ | ३१ | २९ |
| ७ | १ | २२ | ३५ | २० | ३ | ४० | ५७ |
| १६ | २६ | ४१ | ६ | ९ | ७३ | ४ | ३ |
| १२ | ५८ | १८ | ५१ | ११ | २६ | २० | ११ |

४
शु. २
५ बु.
सू.३मं.शु.
१
६ के.
श.१२रा.
७
९
११
८
१०

[illegible]

उ.अ. घ. . . . . . गमनं
श.पू.उ. रे. अ.स. सुखम्
कृ. रो. मृ. . . . . पीडा
आ. पु. ति.अ.म.पू. वधम्
उ. ह. चि. . . . . हानिः
स्वा.वि.अ.ज्ये.मू.पू. धनम्

श्री विक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्री सूर्योत्तरायणे ग्रीष्मर्तौ आषाढ कृष्ण चतुर्थी पर पञ्चम्यां तिथौ श्रवण नक्षत्रे ऐन्द्रोपरि वैधृतियोगे कौलव करणे भृगु वासरे श्री सूर्योदयाद्गतघटीषु ३६।२ श्री सूर्यो वृषान्मिथुनं प्रविष्टस्तदा ज्येष्ठो गताषाढः प्राप्तः वारतो मिश्रा पशुसुखा नक्षत्रतो महोदरी चौरसुखा कालतः पिशाचनी षडशीत्याननी मिथुन संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं-वराहरूढा वृषोपवाहना हरित वस्त्रा खड्गायुधा ताम्रपात्र हस्ता भैक्षाशना चन्दनलेपा सर्पजातिः वकुलपुष्पा ऊर्ध्वा स्वस्था मुक्ताभरणा गतालकत्रया ( रंडा ) पश्चिम मुखा मुहूर्ताः ३० धान्यर्घं वृष्टिषु समफलदा मासदेवता वामनः मासार्कौ रविः मिथुने सूर्यः मकरे चंद्रः सिंहे गुरुः तिथि वारं चेति पठेत् ।

## श्री. वि. सं. २०२५ ( नेपाली सं. १०८८ दिल्लाथ्व ) आषाढ शुक्ल उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः (जून-जुलाई) पा. आर्द्रा. पूफा. उफा. ह. पूषा. ।



| | ग. | वा | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगः | चंद्रराशिः | दि. | मा. | सू. | उ. | भा | श्रं. | शाके १८९० भारतीय आषाढ ५ देखि १९ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १३ | बु. | १ | ५८ | २१ | आ. | ४० | २१ | वृ. | १८ | ५४ | कि. | २६ | ३५ | मुसल | मि. | ३४ | १७ | ५ | ९ | ५ | २६ | E११।३९ आर्द्रायां बुधः २८।२६ पुनर्वसौ ४ कर्कटे शुक्रः D |
| | १४ | बृ. | २ | ६० | ० | पु. | ४४ | ४६ | ध्रु. | १९ | १ | बा. | २९ | ३४ | सिद्धि | २८।३९ | ३४ | १६ | ५ | ९ | ६ | २७ | आर्द्रायां २ भौमः २९।१३ । जगन्नाथरथयात्रा |
| | १५ | शु. | २ | ० | ४७ | ति. | ४८ | ० | व्या. | १८ | १८ | तै. | ३१ | २३ | उत्पात | क. | ३४ | १५ | ५ | ९ | ७ | २८ | आर्द्रायां ३ सूर्यः ३८।५८ मेषेशनिः ४३।२४ । |
| प्र. | १६ | श. | ३ | २ | ० | अ. | ४९ | ५५ | ह. | १६ | | | ३१ | ५८ | मानस | ४९।५५ | ३४ | १३ | ५ | ९ | ८ | २९ | भ. ३१।५८ उ. । D ८।४४ । |
| | १७ | र. | ४ | १ | ५६ | म. | ५० | ३९ | व. | १३ | ४९ | व. | ३१ | १६ | मुद्गर | सिं | ३४ | १२ | ५ | १० | ९ | ३० | भ. १।५६ या. पुनर्वसौ क्रः ५७।४८ । S४ गुरुः ४७।५० । |
| | १८ | सो. | ५ | ०/५८ | ३७/७ | पू. | ५० | १४ | सि | १० | ६ | कौ. | २९ | २२ | केतु | सिं. | ३४ | ११ | ५ | १० | १० | १ | (जुलाई ७ ता. ३१) । |
| प्र. | १९ | म. | ७ | ५४ | ३३ | उ. | ४८ | ४५ | व्य. | ५ | २९ | ग. | २६ | २० | धाता | ४।५१ | ३४ | ९ | ५ | १० | ११ | २ | भ. ५४।३३ उ. (देउपाटनमा गङ्गामाईको यात्रा) आर्द्रायां B |
| | २० | बु. | ८ | ५० | ६ | ह. | ४६ | २२ | व. | ०/५३ | ०/४९ | वि. | २२ | १९ | आनन्द | कं. | ३४ | ८ | ५ | ११ | १२ | ३ | भ. २२।१९ या. अष्टमीव्रतं मा. मिथुने बुधः ४१।३ मघायांS |
| | २१ | बृ. | ९ | ४४ | ५७ | चि. | ४३ | १४ | शि. | ४७ | ३ | बा. | १७ | ३१ | चर | १४।४८ | ३४ | ७ | ५ | ११ | १३ | ४ | B ४ सूर्यः ९।४७ आर्द्रायां ३ भौमः १६।४ त्रिपुष्करः Z |
| | २२ | शु. | १० | ३९ | १४ | स्वा. | ३९ | ३४ | सि | ३९ | ५२ | तै. | १२ | ५ | गद | तु. | ३४ | ६ | ५ | ११ | १४ | ५ | पुनर्वसौ १ सूर्यः ४०।५० । Z ४८।४५ या. । |
| | २३ | श. | ११ | ३३ | ११ | वि. | ३५ | ३३ | सा. | ३२ | २३ | व. | ६ | १२ | शुभ | २१।३२ | ३४ | ५ | ५ | ११ | १५ | ६ | भ. ६।१२ उ. ३३।११ या. त्रिपुष्करः ३३।११ उ. ३५।३३ या.P |
| प्र. | २४ | र. | १२ | २६ | ५७ | अ. | ३१ | २१ | शु. | २४ | ४४ | व. | [illegible] | [illegible] | मृत्यु | वृ. | ३४ | ३ | ५ | ११ | १६ | ७ | आर्द्रायां ४ भौमः २०।४० ( तुलसी पिये ) । प्रदोष व्रतं |
| | २५ | सो. | १३ | २० | ४६ | ज्ये. | २७ | १६ | शु. | १७ | ६ | ग. | ४७ | ४८ | पद्म | २७।१६ | ३४ | २ | ५ | १२ | १७ | ८ | P हरिशयनी ए. व्र. स. चातुर्मास्य व्रतारम्भः । |
| | २६ | म. | १४ | १४ | ५१ | मू. | २३ | २७ | ब्रं. | ९ | ४३ | वि. | ४२ | ७ | छत्र | ध. | ३४ | ० | ५ | १२ | १८ | ९ | भ. १४।५१ उ. ४२।७ या. पूर्णिमाव्रतं पुनर्वसौ २ सूर्यः E |
| | २७ | बु. | १५ | ९ | २४ | पू. | २० | ४ | ऐं. | [illegible] | [illegible] | बा. | ३७ | १९ | श्रीवत्स | ३४।२३ | ३३ | ५९ | ५ | १२ | १९ | १० | मन्वादि गुरुपूजा ( दिलापुह्मी ) । |

| ११ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ. | २ | २ | १ | ४ | २ | ० | ११ |
| १६ | १३ | ११ | २५ | ९ | १७ | ० | २० |
| ग. | ५५ | १४ | २४ | १४ | ५५ | २ | ७ |
| ७ | १२ | ३० | ६ | ४८ | ३२ | २ | ४० |
| १६ | ५६ | ४१ | २५ | १० | ७३ | ३ | ३ |
| ४ | ५५ | ५१ | २१ | ८ | २४ | ४४ | ११ |

| १२ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ. | २ | २ | २ | ४ | २ | ० | ११ |
| २३ | २० | १५ | २ | १० | २६ | ० | १९ |
| ग. | ३३ | ५६ | ५८ | २६ | २८ | २८ | ४५ |
| ७ | १८ | ११ | २२ | ५७ | ३७ | २६ | २३ |
| १५ | ५६ | ४० | ६९ | १० | ७३ | ३ | ३ |
| ५७ | ५४ | ३७ | ५ | ५५ | २४ | ० | ११ |

४ ३ बु. २
बृ. ५ सू.मं.शु. श. १
के. ६ रा. १२
७ ९ ११
८ १०

रथयात्रा-आषाढस्य सितेपक्षे द्वितीया पुष्य संयुता । ऋक्षाभावे तिथौ कार्या सदा सा प्रीतये मम ॥ चातुर्मास्ये वर्ज्य-पदार्था-श्रावणे वर्जयेच्छाकं दधि भाद्रपदे तथा । दुग्धं चाश्वयुजेमासि कार्तिके द्विदलं त्यजेत् । वार्षिकांश्चतुरोमासान्प्रसुप्ते वै जनार्दने । अतस्खट्वादिशयनं वर्जयेद्भक्तिमान्नरः । अनृतौ वर्जयेद्भार्यां मासं मधु परौदनम् । पटोलं मूलकंचैव वृन्ताकं च न भक्षयेत् । अभक्ष्यं वर्जयेद्दूरान्मसूरं सितसर्षपम् । राजमाषान्कुलित्थांश्च आशुधान्यं च संत्यजेत् । आषाढे सुभिक्षादि कथनं आषाढ शुक्लपक्षे च द्वितीया नवमी दिने । चन्द्रेज्यभृगुवाराः स्युः सुवृष्टिश्च समर्घता । सितपञ्चमी स्याद् रव्यादि वारेषु यथाक्रमेण । अल्पपवृष्टिर्विपुला च वृष्टियुद्धं शुभं क्षेम मुखं विनाशः ॥

 श्री वि. सं २०२५ ( नेपाली सं १०८८ दिल्लागा ) श्रावण कृष्णः उत्तरायणं ग्रीष्मर्तुः दक्षिणायनं वर्षर्तुः (जुलाई) पा. उभा. रे. अश्वि. पुन. ति.

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चन्द्रराशि | दि. | मा | सू. | उ. | भा | अं. | शाके १८९० भारतीय आषाढ २० देखि श्रावण ३ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २८ | बृ. | १ | ४ | २४ | उ. | १७ | २१ | वि. | ५० | १३ | बै. | ३२ | ३३ | सौम्य | म. | ३३ | ५८ | ५ | १२ | २० | ११ | तिष्येशुक्रः ५२।३६ R सूर्यः ४२।४९ पुनर्वसौ १ भौमः २२ |
| | २९ | शु. | २ | ५७ | ३३ | अ. | १५ | ३० | प्री. | ४५ | ५ | व. | २९ | ० | धूम्र | ४५।४ | ३३ | ५७ | ५ | १२ | २१ | १२ | भ. २९।० उ. ५७।२८ या. धनिष्ठा पं० प्र. ४५।४ पुनर्वसौ २ R |
| प्र. | ३० | श. | ४ | ५५ | ३१ | रे. | १४ | ३९ | आ. | ४० | ४६ | व. | २६ | २९ | प्रवर्द्ध | कुं | ३३ | ५५ | ५ | १२ | २२ | १३ | () सिंहे गुरुः तिथिवारश्चेति पठेत्। |
| | ३१ | र. | ५ | ५४ | ४६ | ध. | १४ | ५२ | सौ. | ३७ | २४ | कौ. | २५ | ८ | राक्षस | कुं | ३३ | ५४ | ५ | १२ | २३ | १४ | पश्चिमोदितः शुक्रः १६ |
| | ३२ | सो. | ६ | ५५ | १६ | पू. | १६ | १९ | शो. | ३५ | ३ | ग. | २५ | १ | मुसल | ०।५६ | ३३ | ५२ | ५ | १३ | २४ | १५ | भ. ५५।१६ उ. T गधा मुगचह्वे ) |
| प्र. | १ | मं. | ७ | ५७ | २ | उ. | १९ | २ | अ. | ३३ | ५२ | वि. | २६ | ९ | धिङ्क्ष | मी. | ३३ | ५१ | ५ | १३ | २५ | १६ | भ. २६।९ या. कर्कटेर्कः १३।२३ संक्रान्तिः दक्षिणायनः प्रवृत्तिः |
| | २ | बु. | ८ | ५९ | ५९ | रे. | २२ | ५६ | सु. | ३३ | १८ | वा. | २८ | ३० | उत्पात | २२।५६ | ३३ | ५० | ५ | १४ | २६ | १७ | अष्टमी व्र. धनिष्ठा पं. ति. २२।५६ पुनर्वसौ २ भौमः २४।१४ |
| | ३ | बृ. | ९ | ६० | ० | अ. | २७ | ५६ | ध. | ३३ | ५४ | बै. | ३१ | ५७ | मानस | मे. | ३३ | ४८ | ५ | १४ | २७ | १८ | + श्रीधरः मासाकों गभस्तिः कर्कटे सूर्यः मीने चन्द्रः () |
| | ४ | शु. | ९ | ३ | ५५ | भ. | ३२ | ४७ | शू. | २४ | ५० | व. | ३६ | १५ | मुद्गर | ५०।२२ | ३३ | ४७ | ५ | १४ | २८ | १९ | भ. ३६।१५ उ. तिष्ये १ सूर्यः ४४।४ पुनर्वसौ बुधः १७।४७ |
| | ५ | श. | १० | ८ | २५ | कृ. | ४० | १० | गं. | ३२ | २० | व. | ४१ | ९ | केतु | वृ. | ३३ | ४५ | ५ | १५ | २९ | २० | भ. ८।३५ या. |
| | ६ | र. | ११ | १३ | ३७ | रो. | ४६ | ४२ | वृ. | ३८ | १ | कौ. | ४६ | ४ | धाता | वृ. | ३३ | ४३ | ५ | १५ | ३० | २१ | कामिका ए. व्र. स. पूर्वाफाल्गुन्यां १ गुरुः २६।७ |
| प्र. | ७ | सो. | १२ | १८ | ३२ | मृ. | ५२ | ५६ | ध्रु. | ३९ | २७ | ग. | ५० | ४५ | आनन्द | १९।४९ | ३३ | ४१ | ५ | १६ | ३१ | २२ | सोमप्रदोष व्र. पुनर्वसौ ३ भौमः २४।५ अश्लेषायां शुक्रः ४५।५८ |
| | ८ | मं. | १३ | २२ | ५७ | आ. | ५८ | २९ | व्या. | ४० | २६ | वि. | ५४ | ४४ | चर | मि. | ३३ | ४० | ५ | १६ | १ | २३ | भ. २२।५७ उ. ५४।४४ या. तिष्ये २ सूर्यः १४।३० ( घण्टाकर्णT |
| | ९ | बु. | १४ | २६ | ३२ | पु. | ६० | ० | ह. | ४० | ४२ | च. | ५७ | ४८ | गद | ४६।५७ | ३३ | ३८ | ५ | १७ | २ | २४ | ६ वृष्टिषु श्रेष्ठ फलदा अब्द विशोपकाः ८ मासदेवता + |
| | १० | बृ. | ३० | २९ | ४ | पु. | २ | ७ | व. | ४० | ८ | कि. | ५९ | ४३ | सिद्धि | क. | ३३ | ३६ | ५ | १७ | ३ | २५ | दर्शश्राद्ध पूर्वास्तो बुधः २८।१५ पुनर्वसौ ४ कर्कटे बुधः १२।५४ |

| १३ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | २ | २ | २ | ४ | ३ | ० | ११ |
| ३० | २७ | २० | १० | ११ | ५ | ० | १९ |
| ग. | ११ | ३६ | ४२ | ५४ | १ | ४८ | २३ |
| ७ | २१ | २४ | ३२ | ४१ | ५२ | ३२ | ६ |
| १५ | ५६ | ४० | ८८ | ११ | ७३ | २ | ३ |
| ५० | ५९ | १८ | ९ | ३२ | २६ | २५ | ११ |

| १४ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | ३ | २ | २ | ४ | ३ | ० | ११ |
| ५ | ३ | २५ | २१ | १३ | १३ | १ | १९ |
| ग. | ५० | १४ | ३६ | ५ | ३६ | ५ | ० |
| ७ | ६ | २२ | १४ | ५५ | ५ | ७ | ४९ |
| १५ | ५७ | ४० | ९९ | १२ | ७३ | १ | ३ |
| ४२ | ४ | १ | ४१ | ० | २६ | ६ | ११ |

शु.४ | २ | बृ.५ | सू.म.बु. ३ | श.१ | के.६ | रा.१२ | ९ | ७ | ११ | ८ | १०

[illegible]

वृ. उ. रे. ......गमनं
अ.भ.कृ.रो.मृ.आ. सुखम्
पु. ति. श. ......पीडा
म.पू.उ.ह.चि.स्वा. वस्त्रम्
वि. अ. ज्ये. ......हानि
मू.पू.उ.श्र.ध.श. अनम्

(श्रावण) श्री विक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्रीसूर्यो दक्षिणायने वर्षर्तौ श्रावण कृष्ण सप्तम्यां तिथौ उत्तरा भाद्रपद नक्षत्रे अतिगण्ड योगे भद्रा करणे भौम वासरे श्री सूर्योदयाद्गत घटीषु १३।२३ श्री सूर्योमिथुनात्कर्कं प्रविष्ट स्तदोत्तरायणा ग्रीष्मर्त्वाऽषाढा गता दक्षिणायना वर्षर्तुः श्रावणाः प्राप्ताः। वारतो महोदरी चौरसुखा नक्षत्रतो मन्दा चिप्र सुखा कालतो विप्रध्नी अयना म्नी कर्कट संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं-अश्वारूढा सिंहोपवाहना कृष्णवस्त्रा कुन्तायुधा कांस्यपात्र हस्ता चित्रान्नाशना गोरु मदलेपा ब्राह्मण जातिः दूर्वापुष्पा निविष्ठा सुप्तावस्था गुंजाभरणा वृद्धा ईशान मुखा मुहूर्ताः ४५ धान्यर्घ६

| | ग | वा | ति | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योग | चंद्रराशि | दि. | मा | सू. | उ. | भा | अं. | शाके १८९० भारतीय श्रावण ४ देखि १७ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ११ | बु. | १ | ३० | २२ | ति. | ६ | ३८ | सि | ३८ | ३५ | ब. | २० | २३ | उत्पात | क. | ३३ | ३४ | ५ | १७ | ४ | २६ | चन्द्रोदयः तिष्ये ३ सूर्यः ४४।५६ (गुंलाधर्मारम्भः) |
| | १२ | शु. | २ | ३० | २४ | अ. | ८ | ४९ | व्य. | ३६ | १ | बा. | [illegible] | [illegible] | मानस | ८।४९ | ३३ | ३१ | ५ | १८ | ५ | २ | सौ ४ कर्कटे भौमः ३०।४९ तिष्ये बुधः ५।५९ । |
| प्र. | १३ | र. | ३ | २९ | ११ | म. | ९ | ५० | ब | २२ | २८ | [illegible] | ५७ | ५८ | मुद्गर | सिं. | ३३ | २८ | ५ | १८ | ६ | २८ | म. ५७।५८ उ. । A(अगस्त ८ ता० ३१ ) । |
| | १४ | सो | ४ | २६ | ४६ | पू. | ९ | ३८ | प. | २७ | ५८ | व. | ५५ | २ | केतु | २४।१९ | ३३ | २५ | ५ | १९ | ७ | २९ | म. २६।४६ था. । Dपूफार्या २ गुरुः २८।१३ । |
| | १५ | म. | ५ | २३ | १८ | उ. | ८ | २२ | शि. | २२ | ३७ | कौ. | ५१ | ७ | धाता | कं. | ३३ | २२ | ५ | १९ | ८ | ३० | तिष्ये ४ सूर्यः १४।४९ नागपञ्चमी । |
| प्र. | १६ | बु. | ६ | १८ | ५७ | ह. | ६ | ११ | सि. | १६ | ३१ | ग. | ४६ | २३ | आनन्द | ३४।४० | ३३ | १८ | ५ | २० | ९ | ३१ | |
| | १७ | बृ. | ७ | १२ | ५० | चि. | [illegible] | [illegible] | सा. | ९ | ४९ | वि. | ४१ | ० | चर | तुं. | ३३ | १५ | ५ | २१ | १० | १ | म. १३।५० उ. ४१।० या. तिष्ये [illegible] मः ३७।५२A |
| | १८ | शु. | ८ | ८ | १० | वि. | ५५ | ३४ | शु. | [illegible] | [illegible] | बा. | ३५ | ९ | मातङ्ग | ४१।३६ | ३३ | १२ | ५ | २१ | ११ | २ | अष्टमी ब्र. (जलपञ्चदानं) अश्ले. १ सूर्यः ४५।२१ सिंहे शुक्रः५० |
| | १९ | श. | ९ | [illegible] | [illegible] | अ. | ५१ | २६ | ब्र. | ४७ | ३३ | तै. | २९ | ३ | अमृत | धृ. | ३३ | ९ | ५ | २२ | १२ | ३ | अश्लेषायां बुधः २९।५८ । |
| | २० | र. | ११ | ४९ | ४६ | ज्ये. | ४७ | १६ | ऐं. | ३९ | ५२ | व. | २२ | ५१ | काण | ४७।१६ | ३३ | ५ | ५ | २३ | १३ | ४ | म. २२।५१ उ. ४९।४६ या. पुत्रदा ए. ब्र. सर्वेषां । |
| प्र. | २१ | सो | १२ | ४३ | ५० | मू. | ४३ | २२ | वै. | ३२ | २५ | व. | १६ | ४८ | लुम्ब | ध. | ३३ | २ | ५ | २४ | १४ | ५ | वक्री शनिः १८।३३ । |
| | २२ | म. | १३ | ३८ | २१ | पू. | ३९ | ५० | वि. | २५ | १५ | कौ. | ११ | ५ | मित्र | ५४।७ | ३२ | ५९ | ५ | २४ | १५ | ६ | अश्ले. २ सूर्यः १४।४९ प्रदोष ब्र. तिष्ये २ भौमः ३८।१४D |
| | २३ | बु. | १४ | ३३ | २८ | उ. | ३६ | ५९ | प्री. | १८ | ३३ | ग. | ५ | ५४ | वज्र | म. | ३२ | ५७ | ५ | २५ | १६ | ७ | म. ३३।२८ उ. । |
| | २४ | बृ. | १५ | २९ | २४ | श्र. | ३४ | ५१ | आ. | १२ | २६ | कि. | [illegible] | [illegible] | केतु | कुं. | ३२ | ५५ | ५ | २५ | १७ | ८ | म. ११२६ या. ऋषितर्पणी रक्षाबन्धनं (ज्यौं जानके·गुँ पुह्नी) |

१२ ग. मं. ४, १८ गा. शु. ५

| १५ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ३ | २ | ३ | ४ | ३ | ० | ११ |
| १२ | १० | २९ | २ | १४ | २२ | १ | १८ |
| गा. | २९ | ४९ | ३६ | ३० | ९ | १३ | ३८ |
| ७ | १३ | ५२ | ५९ | ४९ | १५ | २९ | ३२ |
| १५ | ५७ | ३९ | १०६ | १२ | ७३ | ० | ३ |
| ३५ | १० | ५३ | ७ | २६ | ३१ | ५१ | ११ |

| १६ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ० | ११ |
| २९ | १७ | ४ | १६ | १५ | ० | १ | १८ |
| कृ. | ८ | २४ | १३ | ५८ | ४३ | १६ | १६ |
| ७ | ४४ | ५८ | ३२ | ४६ | ५२ | ३७ | १५ |
| १५ | ५७ | ३९ | १०९ | १२ | ७३ | ० | ३ |
| २६ | १७ | ५७ | १५ | ५० | ३३ | ३१ | ११ |




साउने संक्रान्तिमा लूतो फाल्ने मन्त्र-कन्डारकः सुराधीश गृहाणा दीप मुत्तमं । सरलेन्धन सम्भूतं ममारिष्टं विनाशय ॥ कण्डारको रात्रिचर लूतादि भयनाशनः । उल्कामिमां प्रक्षिपामि मास्तुलूतादिकं भयम् ॥ दक्षिणायनमा गर्न नहुने काम-जलाशयाऽराम सुर प्रतिष्ठा व्रत बन्धने । नव गेह प्रवेशादि नकुर्याद्दक्षिणायने ॥ साउन भदौमा निदि हरु रजोवती हुन्छन् तसर्थ क्षुद्र नदिमा स्नान नगर्नू जुन नदी आफै समुद्र पुग्दैनन् अर्थात् सानातिना खोला हरु क्षुद्र नदी हुन. हाम्रा नेपालका महाकाली, भेरी, कर्णाली, सप्त गण्डकी सप्तकोशी इनि हरु महानदि हुन् यस् देखि बाहेक अरु नदि क्षुद्र नदि हुन् तसर्थ जुनपायो उ नदिमा वर्षादमा न न्वाउनू भन्ने छ। तर यो पनि भनिएको छ · उपाकर्मणि चोत्सर्गे प्रेतस्नाने तथैव च । चन्द्र सूर्य ग्रहे चैव रजो दोषो न विद्यते ।

(२०) श्री वि. सं २०२५ शाके १८९० (नेपाली सं १०८८ गुंलागा) भाद्रकृष्णः दाक्षणायनं वर्षर्तुः ( अगस्त ) पा. उभा. रे. अश्वि. अश्ले.

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशिः | दि. | मा. | सू. | उ. | भा. | अं. | शाके १८९० भारतीय श्रावण १८ देखि भाद्र १ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २५ | शु. | १ | २६ | १५ | ध. | २२ | ४२ | सौ. | ७ | ४ | तै. | ५५ | १४ | धाता | ४।१७ | ३२ | ५२ | ५ | २६ | १८ | ९ | गोयात्रा (सापारु) घ.पं.प्र. ४।१७ अश्लेषायां २ सूर्यः४४।२३ |
| | २६ | श. | २ | २४ | १४ | श. | २२ | ४२ | शो. | ५८ | ३३ | व. | ५३ | ४९ | आनन्द | कुं. | ३२ | ४९ | ५ | २६ | १९ | १० | अ. ५३।४९ उ. मघायां १ सहँ बुधः ४५।१७ (दधुसाया |
| प्र. | २७ | र. | ३ | २२ | २५ | पू. | ३४ | ५१ | सु. | ५६ | २४ | क. | ५३ | ३८ | चर | १९।२२ | ३२ | ४६ | ५ | २७ | २० | ११ | अ. २३।२५ या. तिष्ये २ भौमः ४८।२१ |
| | २८ | सो. | ४ | २२ | २१ | उ. | ३७ | १५ | धृ. | ५४ | ४८ | कौ. | ५४ | ४२ | गद् | मी. | ३२ | ४३ | ५ | २७ | २१ | १२ | पूर्वोदितो भौमः ४९।१ A पूफायां २ गुरुः ६।२७ |
| | २९ | म. | ५ | २५ | २६ | रे. | ४० | ५४ | शू. | ५४ | ११ | ग. | ५७ | ३ | शुभ | ४०।५४ | ३२ | ४० | ५ | २८ | २२ | १३ | घ.प.नि. ४०।५४ अश्लेषायां ४ सूर्यः१३।१९ पूफायां शुक्रः२१।१० |
| प्र. | ३० | बु. | ६ | २८ | ३० | अ. | ४५ | ४० | गं. | ५४ | २५ | व. | २८ | ३० | मृत्यु | मे. | ३२ | ३७ | ५ | २९ | २३ | १४ | अ. २८।३० उ. । B पश्चिमास्तो गुरुः ५७।२ । |
| | ३१ | वृ. | ७ | ५२ | २५ | भ. | ५१ | २३ | वृ. | ५५ | १९ | वि. | ० | २७ | पद्म | मे. | ३२ | ३३ | ५ | ३० | २४ | १५ | अ. ०।२७ या. अष्टमी व्रतं श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रतंच |
| | १ | शु. | ८ | २७ | ५ | कृ. | ५७ | ३८ | ध्रु. | ५६ | ५२ | बा. | ४ | ४५ | लुम्ब | ७।२६ | ३२ | ३० | ५ | ३१ | २५ | १६ | मघायां १ सिंहेर्कः ४२।११ संक्रान्तिः कृष्णयात्रा । |
| | २ | श. | ९ | ४२ | ८ | रो. | ६० | ० | व्या. | ५८ | २१ | तै. | ९ | २६ | श्रीवत्स | वृ. | ३२ | २७ | ५ | ३१ | २६ | १७ | तिष्ये ४ भौमः ०।५४ । |
| | ३ | र. | १० | ४७ | ८ | रो. | ४ | ११ | ह. | ५९ | ५० | व. | १४ | २८ | धाता | ३७।२१ | ३२ | २३ | ५ | ३२ | २७ | १८ | अ. १४।३८ उ. ४७।८ या. पूफायां बुधः ३।१२ । |
| | ४ | सो. | ११ | ५१ | २९ | मृ. | १० | २१ | व. | ६० | ० | व. | १९ | २२ | आनन्द | मि. | ३२ | २० | ५ | ३२ | २८ | १९ | आज एकादशी व्रतं सर्वेषां । |
| | ५ | म. | १२ | ५५ | २१ | आ. | १६ | १४ | व. | ० | ५१ | कौ. | २३ | ३० | चर | मि. | ३२ | १६ | ५ | ३३ | २९ | २० | त्रिपुष्करः १६।१४ उ. ५५।२१ या. मघायां २ सूर्यः १०।२२ । |
| प्र. | ६ | बु. | १३ | ५७ | ५९ | पु. | २१ | ३ | सि. | १ | १२ | गं. | २६ | ५० | गद | ४।५० | ३२ | १२ | ५ | ३३ | ३० | २१ | अ. ५७।५९ उ. प्रदोषव्रतं (पंचदानं) |
| | ७ | वृ. | १४ | ५९ | २३ | [illegible] | २४ | ५१ | व्य. | [illegible] | [illegible] | वि. | २८ | ४१ | शुभ | क. | ३२ | ११ | ५ | ३४ | ३१ | २२ | अ. २८।४१ या. (पंचदानकुह्) अश्ले० १ भौमः १२।२६A |
| | ८ | शु. | ३० | ५९ | २७ | अ. | २७ | १९ | प. | ५६ | ५७ | च. | २९ | २७ | मृत्यु | २७।१९ | ३२ | ८ | ५ | ३४ | १ | २३ | मन्वादि द. श्रा. गोकर्णं स्नानं मघायां ३ सूर्यः २८।२२B |

| १७ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ० | ११ |
| २६ | २३ | ८ | २९ | १७ | ९ | १ | १७ |
| गा. | ४९ | ५८ | ४ | २६ | १९ | १४ | ५३ |
| ० | ३५ | ५९ | ४९ | ३५ | ३९ | ५६ | ५८ |
| १५ | ५७ | ३९ | ११० | १३ | ७३ | ० | ३ |
| १७ | २६ | २० | १९ | ६ | ३७ | ३६ | ११ |

| १८ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ४ | ३ | ४ | ४ | ४ | ० | ११ |
| २ | ० | १३ | ११ | १८ | १७ | १ | १७ |
| गा. | ३१ | २९ | ५२ | ५७ | ५३ | ८ | ३१ |
| ७ | ३८ | १८ | ३३ | ४९ | २२ | ३ | ४१ |
| १५ | ५७ | ३९ | १०९ | १३ | ७३ | १ | ३ |
| १० | ३६ | ५ | १३ | १७ | ३८ | २८ | ११ |

बु.शु.५ | ३ | ६ | ४सू.मं.गु | २ | चं. | ७ | श.१ | ८ | १० | रा.१२ | ९ | ११

| चं. फ. | धननाशः | श्रृङ्खला | व्ययः | लाभः | सुखम् | दुःखार्थ | कष्टम् | कीर्तिसुखं | लाभार्थ | कार्यार्था | कीर्तिः | धर्मार्थः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | क. | तु. | वृ. | ध. | म. | कुं. | मी. |
| सू. फ. | क्लेशम् | मानना | श्रीप्राप्तिः | भयम् | स्थाननाश | व्ययः | लाभः | कष्टम् | कलिप्राप्तिः | कष्टम् | गमनं | शत्रुनाशः |

अ. कृ. रो. . . . . गमनं
मृ.आ.पु.ति.श्र.म. सुखम्
पू. उ. ह. . . . . . पीडा
चि.स्वा.वि.अ.ज्ये.मू. वस्त्रम्
पू.उ.श्र. . . . . . हानिः
ध.श.पू.उ.रे.अ. . . धनम्

( भाद्र ) श्री विक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्रीसूर्यो दाक्षणायने वर्षर्तौ भाद्रकृष्णाष्टम्योपर नवम्यां तिथौ कृत्तिका नक्षत्रे ध्रुवयोगे तैतिल करणे भृगु-वासरे श्रीसूर्योदयादूगत घटीपु: ४२।११ श्रीसूर्यः कर्कटात्सिंहं प्रविष्टस्तदा श्रावणो गतः भाद्र प्राप्तः वारतो नक्षत्रतश्च मिश्रा पशु सुखा कालतो रक्षघ्नी विष्णु पदी नाम्नी सिंह संक्रान्तिः आग्नेय--रासभारुढामेषोपवाहना पाण्डुर वस्त्रा दण्डायुधा लोहपात्र हस्ता पक्वान्नाशना मृत्तिकालेपा पक्षि जातिः केतकी पुष्पा सुप्ता हास्यावस्था विद्रुमा भरणा युवतिः उत्तर मुखा मुहूर्ताः ३० धान्यर्घवृद्धिषु समफलदा मास देवता हृषिकेशः मासार्कोयमः सिंहे सूर्यगुरु वृषे चन्द्रः तिथिवारंचेति ।

श्री वि. सं. २०२५ ( नेपाली सं. १०८८ मलाध्य ) भाद्रशुक्लः द.क्षणायनं वर्षतुः । ( अगस्त-सितम्बर ) पा. स. पूफा. उफा. ह. अनु. (२१)

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशिः | दि. | मा. | सू. | उ. | भा. | श. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ९ | श. | १ | ५८ | २५ | म. | २८ | ३६ | शि. | ५३ | ३३ | किं | २८ | ५८ | पद्म | सिं. | ३२ | ५ | ५ | ३५ | २ | २४ | शाके १८९० भारतीय भाद्र २देखि १५ तक । उफार्यां शुक्रः२४।३८ (गुँलाधर्मपूर्णाः) । % पूफार्यांरसूर्यः०।४२p |
| | १० | र. | २ | ५६ | ६ | पू. | २८ | ३७ | सि | ४९ | ११ | बा. | २७ | १५ | छत्र | ४३।२१ | ३२ | १ | ५ | ३६ | ३ | २५ | त्रिपुष्करः २८।३७ उ.५६।६या. उफार्यां बुधः ३८।४७(दरखाने)J |
| | ११ | सो. | ३ | ५२ | ४४ | उ. | २७ | ३४ | सा. | ४३ | ५८ | तै. | २४ | २५ | श्रीवत्स | कं. | ३१ | ५७ | ५ | ३७ | ४ | २६ | पश्चिमोदितोबुधः५१।५मन्वादि हरितालिका(तीज) Jचन्द्रोदयः |
| प्र. | १२ | म. | ४ | ४८ | २९ | ह. | २५ | ३३ | शु. | ३७ | ५८ | व. | २० | ३६ | सौम्य | ५४।७ | ३१ | ५३ | ५ | ३८ | ५ | २७ | म.२०।३६ ब.४८।२८ या. मङ्गलचौथी चन्द्रदर्शन दोष(चथा)R |
| | १३ | बु. | ५ | ४३ | २६ | चि. | २२ | ४२ | शु. | ३१ | १९ | ब. | १६ | ५७ | काल | तु. | ३१ | ४९ | ५ | ३८ | ६ | २८ | ऋषिपञ्चमीव्रतं (कोखजविए) n कन्यायां शुक्रः ७।३० |
| प्र. | १४ | बृ. | ६ | ३७ | ५१ | स्वा. | १९ | १४ | ब्र. | २४ | १२ | कौ. | १० | ३८ | सुस्थिर | तु. | ३१ | ४४ | ५ | ३९ | ७ | २९ | सूर्यषष्ठी Rमघायां४सूर्यः२३।५३ अश्ले. २सौमः२२।४उफार्यांE |
| | १५ | शु. | ७ | ३१ | ५२ | वि. | १५ | २० | ऐं. | १६ | ४५ | ग. | ४ ५८ | ५१ ४७ | मातङ्ग | १।१८ | ३१ | ४० | ५ | ४१ | ८ | ३० | अ.३१।५२उ.५८।४७आ. अमुक्ताभरणव्रतं श्रीमहालक्ष्मीव्रतारंभh |
| | १६ | श. | ८ | २५ | ४३ | अ. | ११ | ९ | वै. | ९ | १ | बा. | ५२ | ३९ | अमृत | वृ. | ३१ | ३६ | ५ | ४१ | ९ | ३१ | अष्टमीव्रत दूर्वाष्टमी व्रतञ्च h पूर्वा फाल्गुन्यां १ सूर्यः ३३।४ । |
| | १७ | र. | ९ | १९ | २५ | ज्ये. | ६ | ५५ | वि. | [illegible] | [illegible] | तै. | ४६ | ३९ | काण | ६।५५ | ३१ | ३१ | ५ | ४२ | १० | १ | (सित.९त.३०)अश्लेषायां३सौमः३७।६ pवामनद्वा.अगस्त्यूदयः |
| | १८ | सो. | १० | १३ | ४३ | मू. | [illegible] | [illegible] | आ. | ४६ | २४ | व. | ४० | ५९ | लुब्ध | ध. | ३१ | २७ | ५ | ४३ | ११ | २ | अ. ४०।५उ.हस्तभेबुधः ४५।५१ । E २कन्यायांबुधः३३।५९ n |
| | १९ | म. | ११ | ८ | १५ | उ. | ५६ | १४ | सौ. | २९ | ३० | व. | ३५ | ४९ | मानस | १३।३२ | ३१ | २३ | ५ | ४४ | १२ | ३ | म.८।१५या.त्रिपुष्करः८।१५उ.५६।१४या.हरिःपरिवर्तिनीए.व्र.स.% |
| | २० | बु. | १२ | [illegible] | [illegible] | श्र. | ५३ | ५५ | शो. | ३३ | १२ | कौ. | ३१ | २२ | मुद्गर | म. | ३१ | १९ | ५ | ४५ | १३ | ४ | हस्तभेशुक्रः १६ प्रदोषव्रतं इन्द्रध्वजोत्थानं (मतछोए) । |
| | २१ | बृ. | १४ | ५६ | १३ | ध. | ५२ | ३३ | अ. | २७ | ३५ | ग. | २७ | ४६ | श्रीवत्स | २३।१४ | ३१ | १५ | ५ | ४६ | १४ | ५ | स.५६।१ उ. धनि. प. प्र. २३।१४ अनन्त च. व्र. इन्द्रयात्रा |
| | २२ | शु. | १५ | ५४ | १२ | श. | ५२ | १६ | सु. | २२ | ४९ | वि. | २५ | १२ | सौम्य | कुं. | ३१ | २० | ५ | ४६ | १५ | ६ | भ.२५।१श्रा. इन्द्रदहस्नानं(यद्यापुह्नी) पूफायांरसूर्यः२६।३६L |
| | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + + + | + + + | + | + | + | + | + | + | Lअश्वेषाया ४ सौमः ५२।४४ पूफायां ४ गुरुः १३।३१ । |

| १९ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भा | ४ | ३ | ४ | ४ | ४ | ० | ११ |
| ९ | ७ | १७ | २४ | २० | २६ | ० | १७ |
| ग. | १४ | ५८ | १४ | २८ | २८ | ५४ | ९ |
| ४ | ५० | ४४ | ३५ | ४१ | १२ | ४० | २४ |
| १५ | ५७ | ३८ | १०४ | १३ | ७३ | २ | ३ |
| २ | ४६ | ५४ | १० | २३ | ४१ | १६ | ११ |

| २० | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भा | ४ | ३ | ५ | ४ | ५ | ० | ११ |
| १६ | १३ | २२ | ५ | २२ | ५ | ० | १६ |
| ग. | ५९ | २७ | ५६ | २ | ३ | ३६ | ४७ |
| ७ | ५० | ६ | ९ | ६ | ३४ | ६ | ७ |
| १४ | ५७ | ३८ | ९६ | १३ | ७३ | ३ | ३ |
| ५५ | ५८ | ३७ | ५६ | २६ | २० | १३ | ११ |

के.६ ५ श.४
७ सू.बु.बृ.शु. ३
८ २
९ ११ रा.१
१० चं.१२

कुश ग्रहण मन्त्र-विरिंचिना सहोत्पन्ना परमेष्ठि निसर्गतः । नुदः सर्वाणि पापानि दर्भ स्वस्ति करोतु मे । उदाएपछि अगस्तिलाई अर्घदिने मन्त्रः-काशपुष्प प्रतीकाश वह्नि मारुत सम्भव । मित्रावरुणयो पुत्रः कुम्भयोने नमस्तुते ॥ सोहिदिने लोपामुद्रालाई अर्घदिने मन्त्रः-राजापुत्रिमहाभागे ऋषि पत्नी वरानने । लोपामुद्रे नमस्तुभ्यमर्घमेप्रतिगृह्यताम् ॥ सिंहे गोप्रसवेऽद्भूतलागरे नारदः--भानौसिंहगते चैव अर्कगौः सम्प्रसूयते । मरणं तस्य निर्दिष्टं षड्भिर्मासैर्नसंशयः ॥ तथा--सिंहराशौगते सूर्ये गोप्रसूतिर्यदाभावेत् । पौषे च माहिषी सूते दिवैवाश्वतरी तथा । तदानिष्टं श्वेत्किञ्चिच्छान्तिशान्तिकंचरेत् ॥ भाद्र शुक्ल चतुर्थ्यां चन्द्रदर्शन दोष मन्त्र-सिंह प्रसेनमवधीत् सिंहो जाम्बवताहतः । सुकुमारक मारोदीस्तवह्येष स्यमन्तकः । भाद्र शुक्ल षष्ठ्यां सूर्य पूजनम्-शुक्ले भाद्रे षष्ठ्यां स्नानं भास्कर पूजनम् । प्राशनात्पञ्च गव्यस्य अश्वमेध फलाधिकम् ॥

| | ता. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशि | दि. | मा. | सू. | उ. | भा. | अं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २३ | श. | १ | ५३ | २४ | पू. | ५३ | ६ | धृ. | १८ | ५८ | वा. | २३ | ४८ | काल | ३७।५३ | ३१ | ६ | ५ | ४७ | १६ | ७ |
| | २४ | र. | २ | ५३ | ५१ | उ. | ५५ | १२ | शू. | १६ | ५ | तै. | २३ | ३७ | सुस्थर | सिं. | ३१ | २ | ५ | ४७ | १७ | ८ |
| | २५ | सो. | ३ | ५५ | २६ | ह. | ५८ | ३४ | गं. | १४ | १० | व. | २४ | ४३ | मातङ्ग | ५८।३४ | ३० | ५८ | ५ | ४८ | १८ | ९ |
| प्र. | २६ | मं. | ४ | ५८ | ३३ | चि. | ६० | ० | वृ. | १३ | १७ | बा. | २७ | ४ | अमृत | कं. | ३० | ५४ | ५ | ४८ | १९ | १० |
| | २७ | बु. | ५ | ६० | ० | चि. | ३ | ४ | ध्रु. | १२ | १५ | कौ. | ३० | ३१ | मृत्यु | कं. | ३० | ५० | ५ | ४९ | २० | ११ |
| | २८ | वृ. | ५ | २ | ३० | स्वा. | ८ | ३५ | व्या. | १३ | ५८ | ग. | ३४ | ५१ | पद्म | २५।६ | ३० | ४६ | ५ | ५० | २१ | १२ |
| प्र. | २९ | शु. | ६ | ७ | १२ | वि. | १४ | ४२ | ह. | १५ | १२ | वि. | ३९ | ४६ | छत्र | तु. | ३० | ४२ | ५ | ५१ | २२ | १३ |
| | ३० | श. | ७ | १२ | २० | अनु. | २१ | १४ | व. | १६ | ३४ | बा. | ४४ | ५२ | श्रीवत्स | ५४।२६ | ३० | ३८ | ५ | ५२ | २३ | १४ |
| | ३१ | र. | ८ | १७ | २४ | ज्ये. | २७ | ३९ | सि. | १८ | १० | तै. | ४९ | ४२ | सौम्य | वृ. | ३० | ३४ | ५ | ५३ | २४ | १५ |
| | १ | सो. | ९ | २२ | १ | मू. | ३३ | ३२ | व्य. | १९ | १५ | व. | ५३ | ५५ | काल | वृ. | ३० | ३० | ५ | ५४ | २५ | १६ |
| | २ | मं. | १० | २५ | ४९ | पू. | ३८ | ३४ | व. | १९ | ४३ | बा. | ५७ | ११ | सुस्थिर | २२।१८ | ३० | २६ | ५ | ५४ | २६ | १७ |
| | ३ | बु. | ११ | २८ | ३३ | उ. | ४२ | ३७ | प. | १९ | २५ | कौ. | ५९ | १८ | मातङ्ग | म. | ३० | २१ | ५ | ५५ | २७ | १८ |
| प्र. | ४ | वृ. | १२ | ३० | ४ | श्र. | ४५ | २४ | शि. | १८ | ० | तै. | ३० | ४ | अमृत | ४५।२४ | ३० | १९ | ५ | ५६ | २८ | १९ |
| | ५ | शु. | १३ | ३० | १९ | ध. | ४६ | ५६ | सि. | १५ | ५४ | ग. | ५९।० | ३१।४८ | काण | कुं. | ३० | १५ | ५ | ५७ | २९ | २० |
| | ६ | श. | १४ | २९ | १८ | श. | ४७ | १४ | सा. | १२ | ३९ | ब. | ५८ | ११ | लुम्ब | कुं. | ३० | १० | ५ | ५८ | ३० | २१ |
| | ७ | र. | ३० | २७ | ५ | पू. | ४६ | २७ | शु. | ८ | २६ | कि. | ५५ | २६ | मित्र | २।२ | ३० | ५ | ५ | ५९ | ३१ | २२ |

## २०२५ आश्विनकृष्ण ( जलागा )

प्रतिपदा देख नवमी सम्म A
A लगातार श्राद्ध पर्छ )
भ. २४।४३ उ. ५५।३६ या. B
सकल चौथी (ननिचा यात्रा)
व. रे. ४ मीने शनिः ८।२१
सिंहे भौमः १० चि. बुधः ४८ ।
भ. ७।१२ उ. ३९।४६ या. L
अष्टमीव्रतं श्रीमहालक्ष्मी व्रतपूर्तिः V२४।३६ तुलायां शुक्रः W
चित्रायां शुक्रः ९।६ । Lउफायां ३सूर्यः १८।१ ।
भ. ५३।५५ उ. कन्यायामर्कः ४३।२६ संक्रान्तिः श्राद्धाभावः ।
भ. २५।४९ या. (दशमी देखि औंसी सम्म लगातार श्राद्धपर्छ)T
इन्दिरा एकादशी व्रतं सर्वेषां । Tमघायां२भौमः २६।१४ ।
प्रदोष व्रतं । B(गातिला) ध. प. नि. ५८।३४ पूफायां ४G
भ. ३०।१९ उ. ५९।४८ या. मघायुक्ता त्र. श्रा, तुलायां बुधः V
उफायां१गुरुः२२।७। Gसूर्यः ५२।५० W३६।१५ उफायां२सूर्यः ७
मघायां ३ भौमः ४५।४९ दर्शश्राद्धं प्रस्तास्त सूर्य ग्रहणं ।

| २३ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ५ | ४ | ६ | ४ | ६ | ११ | ११ |
| ६ | ४ | ५ | ० | २६ | ० | २९ | १५ |
| ग. | २५ | ४२ | २७ | ३८ | ४६ | १६ | ४० |
| ७ | ३७ | ३२ | १८ | १८ | ५३ | १९ | १६ |
| १४ | ५८ | ३७ | ३२ | १३ | ७३ | ४ | ३ |
| २९ | ४० | ४५ | ५० | २२ | ३३ | २२ | ११ |

२७ता.मा. १२, २८ता.मं.५,५ ता.शु.बु.७,

| २१ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ४ | ३ | ५ | ४ | ५ | ० | ११ |
| २३ | २० | २६ | १५ | २३ | १३ | ० | १६ |
| ग. | ४६ | ५४ | ४२ | ३३ | ३८ | १३ | २४ |
| ७ | ४३ | २ | ४५ | ४५ | १० | २२ | ५० |
| १४ | ५८ | ३८ | ८५ | १३ | ७३ | ३ | ३ |
| ४६ | ११ | १२ | ५८ | २८ | २४ | २६ | ११ |
| २२ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
| आ | ४ | ४ | ५ | ४ | ५ | ११ | ११ |
| ३० | २७ | १ | २४ | २५ | २२ | २९ | १६ |
| ग. | ३५ | १८ | ५५ | ६ | १३ | ४५ | २ |
| ७ | ७ | ५१ | २७ | २६ | १९ | ५९ | ३३ |
| १४ | ५८ | ३७ | ६६ | १३ | ७३ | ३ | ३ |
| ३७ | २५ | ५६ | ८ | २७ | २६ | ५२ | ११ |

बु.के.शु. ६ — मं.४
७ — सू.चं.५ — ३
८ — २
९ — ११ — श. १
१० — रा.१२

| ष. फ. | श्रीप्राप्तिः | धननाशः | स्त्री. लाभः | व्ययः | लाभः | सुखम् | नृपभयं | कष्टम् | कीर्तिलाभं | लाभः | कार्यनाशः | कीर्तिः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | मे. | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कुं. | मी. |
| मा. फ. | प्रतुला. | देहव्यथा | सम्मान | श्रीः प्रा. | भयम् | स्था.ना. | व्यय | लाभः | कर्मप्रा. | कीर्तिलाभ | कष्टम् | सम्मानं |

आ.पु.ति. . . . . . गमनं
अश्ले.म.पू.उ.ह.चि.सुखम्
स्वा.वि.अ. . . . . . पीडा
ज्ये.मू.पू.उ.श्र.ध. . वधम्
श.पू.उ. . . . . . . . हानिः
रे.अ.भ.कृ.रो.मृ. . .धनम्

(आश्विन) श्रीविक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्रीसूर्ये दक्षिणायने शरदृतौ आश्विन कृष्णा नवमीर दशम्यां तिथौ आर्द्रापर पुनर्वसु नक्षत्रे व्यतिपात् पर वरीयसी योगे वणिज करणे सोम वासरे श्रीसूर्योदयादूगत घटीषु:४३।२६ श्रीसूर्यः सिंहात्कन्यायां प्रविष्टस्तदा वेतुं भाद्री गतौ शरदृत्वाऽश्विनौ प्राप्तौ । वारतो ध्वांक्षी वैश्यसुखा नक्षत्रतो महोदरी चौरसुखा कालतो राक्षसी षडशीत्यानना कन्या संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं माहिषारूढा उष्ट्रोपवाहना श्यामवस्त्रा तोमरायुधा त्रपुपात्रहस्ता दध्यशना यावक लेपा सुजातिः अर्कपुष्पा निविष्टा ज्वरावस्था मण्वा भरणा प्रगल्भा आग्नेय सुखा मुहूर्ताः ४५ धान्यत्रं वृष्टिषु श्रेष्ठ फलदा मास देवता धनाभः मासार्कः सुवर्ण रेताः कन्यायां सूर्यः मिथुनेचन्द्र सिंहे गुरुः तिथि वारं चेति पटेत् ।

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशिः | दि. | मा. | सू. | उ. | भा. | अं. | शाके १८९० भारतीय आश्विन १ देखि १४ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ८ | सो. | १ | २३ | ४८ | ह. | ४४ | ३८ | शु. | ३/५७ | २१/३७ | बा. | ५१ | ४२ | वज्र | क. | ३० | ० | ६ | ० | १ | २३ | मातामह श्रा. वटस्थापनं च. उ. उफायां ४ सूर्यः ३१।५५ P |
| | ९ | म. | २ | १९ | ३७ | चि. | ४१ | ५९ | ब्र. | ५० | ५३ | तै. | ४७ | ९ | ध्वांक्ष | १३\|१८ | २९ | ५६ | ६ | १ | २ | २४ | द्विपुष्करः१९।३७या.। Pपूर्वोदितो गुरुः ३८।२५ । Lशुक्रः ३।३१ |
| प्र. | १० | बु. | ३ | १४ | ४१ | स्वा. | ३८ | ३९ | वै. | ४३ | ४८ | व. | ४१ | ५५ | धूम्र | तु. | २९ | ५३ | ६ | २ | ३ | २५ | भ. ४१।५५ उ. । Cत्या वाहनं मघायां ४ भौमः ७।५४ । |
| | ११ | बृ. | ४ | ९ | १० | वि. | ३४ | ४९ | वि. | ३६ | २१ | व. | ३६ | १३ | प्रवर्द्ध | २०\|४६ | २९ | ५० | ६ | ३ | ४ | २६ | भ. ९।१० या. हस्तभे १ सूर्यः ५५।४६ वक्रीबुधः ९ स्वात्यांL |
| | १२ | शु. | ५ | ३/५७ | ५६/११ | अ. | ३० | ४१ | प्री. | २८ | २७ | कौ. | २० | १३ | राक्षस | वृ. | २९ | ४७ | ६ | ३ | ५ | २७ | पचली भैरव यात्रा बिलव निमन्त्रणं । Bसूर्यः १९।२२ । |
| प्र. | १३ | श. | ७ | ५१ | ७ | ज्ये. | २६ | २७ | आ. | २० | ४७ | ग. | २४ | ९ | मुसल | २६\|२७ | २९ | ४४ | ६ | ४ | ६ | २८ | भ. ५१।७ उ. नवपत्रिकाप्रवेशः (फूलपाती) मूलयोगे सरस्वC |
| | १४ | र. | ८ | ४५ | १८ | मू. | २२ | २२ | सौ. | १३ | ४ | वि. | १८ | १२ | सिद्धि | ध. | २९ | ४१ | ६ | ५ | ७ | २९ | भ. १८।१२बा. पाश्चमास्तोबुधः१६।५४महाष्टमीव्रतं(कुछछीभोज) |
| | १५ | सो. | ९ | ३९ | ५४ | पू. | १८ | ४० | शो. | ५/५८ | ३८/५७ | बा. | १२ | ३६ | उत्पात | ३२\|५१ | २९ | ३८ | ६ | ५ | ८ | ३० | सन्नार्द्ध महानवमी (भोगविलु–स्वाकबोभ्याको) हस्तभे २ B |
| | १६ | म. | १० | ३५ | ६ | उ. | १५ | २५ | सु. | ५२ | ४ | तै. | ७ | ३० | मानस | म. | २९ | ३४ | ६ | ६ | ९ | १ | (अक्टूबर १० ता. ३१) विजयादशमी (टीका, जङ्गयात्राचालँ) |
| | १७ | बु. | ११ | ३१ | ६ | श्र. | १२ | ५६ | धृ. | ४६ | १२ | व. | ३/१२ | ६/३४ | छत्र | ४२\|८ | २९ | ३० | ६ | ७ | १० | २ | भ. ३।६ उ. ३१।६ बा. ध. प. प्र. ४२।८ पापाङ्कुशा ए.व्र.स.A |
| प्र. | १८ | बृ. | १२ | २८ | ३ | ध. | ११ | २० | शू. | ४१ | ९ | कौ. | ५७ | ४ | श्रीवत्स | कुं. | २९ | २६ | ६ | ८ | ११ | ३ | प्रदोषव्रतं हस्तभे ३ सूर्यः ४२।३४ पूफायां १ भौमः २५।४८ । |
| | १९ | शु. | १३ | २६ | ६ | श. | १० | ४८ | गं. | ३६ | ५८ | ग. | ५५ | ४३ | सौम्य | ५६\|१२ | २९ | २२ | ६ | ८ | १२ | ४ | A(असंख्यातेँ अक्के ए चित्रायां २ कन्यायांबुधः २७।२२ । |
| | २० | श. | १४ | २५ | २१ | पू. | ११ | २० | वृ. | ३३ | ४६ | वि. | ५५ | ३६ | काल | मी. | २९ | १८ | ६ | ९ | १३ | ५ | भ. २५।२१ उ. ५५।३६ या. अ. व. पू. कोजा. व्र. पू. व्र. |
| | २१ | र. | १५ | २५ | ५२ | उ. | १३ | ९ | ध्रु. | २१ | ३२ | बा. | ५६ | ४७ | सुस्थिर | मी. | २९ | १४ | ६ | १० | १४ | ६ | ग्रस्तोदय चन्द्र ग्रहण कन्यायांगुरुः ४१।१२ वि. शु. ५७।८ |

१७ ग. शु. ५, २१ ग. शु. ७,

| २४ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ५ | ४ | ६ | ४ | ६ | ११ | ११ |
| १३ | ११ | १० | १ | २८ | ९ | २८ | १५ |
| वा. | १७ | ४ | १८ | १० | २० | ४४ | १७ |
| ७ | १२ | ३ | ५८ | ३७ | ३४ | ५ | ५९ |
| १४ | ५८ | ३७ | ११ | १३ | ७३ | ४ | ३ |
| २१ | ५६ | ३७ | १५ | १७ | ३८ | ३७ | ११ |

| २५ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ५ | ४ | ५ | ४ | ६ | ११ | ११ |
| २० | १८ | १४ | २७ | २९ | १७ | २८ | १४ |
| गा. | १० | २७ | ४४ | ४० | ५४ | ९ | ५५ |
| ७ | ३० | ४५ | १ | ५९ | १६ | २४ | ४२ |
| १४ | ५९ | ३७ | ४८ | १३ | ७३ | ४ | ३ |
| १२ | १५ | ३० | ५६ | ७ | १७ | ४५ | ११ |

बु.शु.७
बृ.मं.५
४
८
सू.के.६
९
३
१०
श.रा.१२
२
११
१

श्राद्ध विशेषः... ललाटे पुन्ड्रकं दृष्ट्वा स्कन्धे माल्यं तथैव च । निराशाः पितरो यान्ति दृष्ट्वा च वृषली पतिम् ॥ अगस्त्यं भृङ्गराजश्च तुलसी शत पत्रिका चम्पकं तिलपुष्पञ्च षडेते पितृवल्लभा ॥ केतकी करवीरञ्च बकुलं कुन्दकं तथा पाटली चैव जाती च श्राद्धे यत्नेन वर्जयेत् ॥ पूर्वाह्णे दैविकं श्राद्धं अपराह्ण तु पार्वणं एकोदिष्टे तु मध्याह्ने प्रातर्वृद्धिनिमित्तिकम् । महालये गयाश्राद्धे मातापित्रोः क्षयेऽहनि । कृतोद्वाहोऽपि कुर्वीत पिण्डदानं यथाविधिः ॥ श्राद्धविघ्ने समुत्पन्ने अविज्ञाते मृतेऽहनि । एकादश्यां तु कर्तव्यं कृष्णपक्षे विशेषतः ॥ सूर्ये कन्यागते श्राद्धं यो न कुर्याद् गृहाश्रमी । धन पुत्राः कुतस्तस्य पितृ निःश्वास पीडनात् ॥ श्राद्धे विशेष–रजस्वलायां भार्यायां चयाहं योपरित्यजेत् । सर्वैनरकमाप्नोति यावद्भूत संप्लवम् । श्राद्धे महालये योग्यो न भवेत् गर्भिणी पतिः तथैव चोदकीकार्यो न कुर्यात्पार्वणो विधिः । टीकाको दिन शमीको दर्शन गर्ने मन्त्रअमङ्गलानां शमनीं शमनीं दुष्कृतस्य च । दुःस्वप्ननाशिनीं धन्यां प्रपद्येहं शमीं शुभाम् ।

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चन्द्रराशि | दि. | मा. | सू. | उ. | मा. | अ. | शाके १८९० भारतीय आश्विन १५ देखि २९ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २२ | सो. | १ | २७ | ४२ | रे. | १५ | १२ | व्या | ३० | २० | तै. | ४९ | १३ | मातङ्ग | १६।१३ | २९ | १० | ६ | १० | १५ | ७ | धनिष्ठा पञ्चक निवृत्तिः १६।१३ हस्तमे ४ सूर्यः २।२ । |
| | २३ | म. | २ | ३० | ४४ | अ. | २० | २७ | ह. | ३० | १ | ग. | ३० | ४४ | अमृत | मे. | २९ | ६ | ६ | ११ | १६ | ८ | पूर्वाफाल्गुन्यां २ भौमः २३।२३ । |
| प. | २४ | बु. | ३ | ३४ | ४६ | भ. | २५ | ४४ | व. | ३० | ३० | व. | २ | ४५ | काण | ४२।१४ | २९ | १ | ६ | १२ | १७ | ९ | अ. २।४५ उ. ३४।३६ या. । |
| | २५ | बृ. | ४ | २९ | २२ | कृ. | २१ | ४४ | सि. | २१ | २१ | ब. | ७ | ० | लुम्ब | वृ. | २८ | ५७ | ६ | १३ | १८ | १० | चित्रायां १ सूर्यः २६।३९ हस्तमे बुधः ८।१८ । Cसूर्यः४८।१६ । |
| | २६ | शु. | ५ | ४४ | ५६ | रो. | २८ | १० | व्य. | २२ | ५५ | कौ. | १२ | ९ | मित्र | वृ. | २८ | ५३ | ६ | १४ | १९ | ११ | उ ४ सूर्यः २०।२२ नरक चतुर्दशी स्नानं |
| | २७ | श. | ६ | ४९ | ५७ | मृ. | ४४ | २९ | व. | २४ | २२ | ग. | १७ | २१ | वज्र | ११।२५ | २८ | ४८ | ६ | १४ | २० | १२ | अ. ४१।२७ उ. । |
| प्र. | २८ | र. | ७ | ५४ | २९ | आ. | ५० | ४० | प. | २५ | २९ | वि. | २२ | १८ | ध्वांक्ष | मि. | २८ | ४५ | ६ | १५ | २१ | १३ | अ. २२।१८ या. त्रिपुष्करः २०।४० उ. ५४।२९ या. चित्रायां२C |
| | २९ | सो. | ८ | ५८ | ३२ | पु. | ५५ | ५५ | शि. | २६ | ४ | ब. | २६ | ३५ | धूम्र | ३९।३५ | २८ | ४१ | ६ | १५ | २२ | १४ | अष्टमी व्रतं पूर्वाफाल्गुन्यां ३ भौमः १२।३५ । T५१।१४ । |
| | ३० | म. | ९ | ६० | ० | पु. | ६० | ० | सि. | २५ | ५२ | तै. | २९ | ५६ | प्रवर्द्ध | क. | २८ | ३७ | ६ | १६ | २३ | १५ | पूर्वोदितो बुधः २४।३३ विशाखायां ४ वृश्चिके शुक्रः ७।४६ । |
| | ३१ | बु. | ९ | १ | २१ | पु. | ० | ११ | सा. | २४ | ४८ | व. | ३२ | ८ | मातङ्ग | क. | २८ | ३२ | ६ | १७ | २४ | १६ | अ. ३२।८ उ. । |
| | १ | बृ. | १० | २ | ५६ | श्ले. | ३ | १६ | शु. | २२ | ५५ | व. | ३३ | ६ | अमृत | ३।१२ | २८ | २९ | ६ | १८ | २५ | १७ | अ. २।५६ या. तुलायामर्कः ०।४० संक्रान्तिः अनुराधायां शुक्रःT |
| | २ | शु. | ११ | ३ | १७ | म. | ५ | २ | शु. | २९ | ४३ | कौ. | ३२ | ४८ | काण | सिं. | २८ | २४ | ६ | १९ | २६ | १८ | रमाएकादशी व्रतं सर्वेषां गोवत्सद्वादशी मार्गीबुधः ३४।५२ । |
| प्र. | ३ | श. | १२ | २ | २० | पू. | ५ | ३७ | ब्र. | २५ | ४१ | ग. | ३१ | १५ | लुम्ब | २०।२९ | २८ | २० | ६ | २० | २७ | १९ | पूफायां ४ भौमः २७ यमदीपदानं धन्वन्तरी जयन्ती श. प्र.व्र. |
| | ४ | र. | १३ | [illegible] | [illegible] | उ. | ५ | ५ | ऐं. | २० | ४६ | वि. | २८ | ३४ | मित्र | कं. | २८ | १६ | ६ | २१ | २८ | २० | अ. ०।११ उ. २८।३४ या. काकवलिश्वपूजा (श्वन्तिचहे)चित्राS |
| | ५ | सो. | ३० | ५२ | ५० | ह. | ३ | २८ | वै. | १५ | २० | च. | २४ | ५३ | वज्र | २२।१४ | २८ | १२ | ६ | २२ | २९ | २१ | दर्शश्राद्धं लक्ष्मीपूजा दीपावली । |

| २६ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| का | ५ | ४ | ५ | ५ | ६ | ११ | ११ |
| २७ | २५ | १८ | २२ | १ | २६ | २७ | १४ |
| ग. | ६ | ४४ | २ | ११ | २७ | ३२ | ३३ |
| ७ | २२ | २६ | ४० | २९ | ४८ | ४८ | २५ |
| १४ | ५९ | ३७ | ३६ | १२ | ७२ | ४ | ३ |
| २ | ३१ | १८ | ५४ | ५३ | ५९ | ३८ | ११ |

| २७ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| का | ६ | ४ | ५ | ५ | ७ | ११ | ११ |
| ३ | २ | २३ | १९ | २ | ५ | २६ | १४ |
| ग. | ३ | १२ | ५४ | ३८ | ० | ५७ | ११ |
| ७ | ४६ | ३ | ३० | ३५ | ३७ | ४९ | ८ |
| १३ | ५९ | ३७ | ७ | १२ | ०३ | ४ | ३ |
| ५२ | ४० | १६ | ० | ३३ | ३ | ४६ | ११ |

शु.७ मं.५ सू.उ.बु.के. ८ ९ १० ११ श.रा.१२

अ. म. पू. .....शमनं
श.ज.चि.स्वा.वि.असुखम्
ज्ये. मू. पू. .....पीडा
उ.श्र.ध. श.पू.उ. लक्षम
रे.अ.भ. .....हानिः
कृ.रो. मृ. आ. पु. ति.धनम्

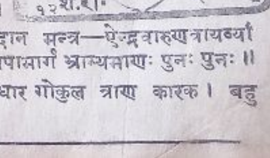
(कार्तिक) श्रीविक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्रीसूर्यो दक्षिणायने शरदृतौ कार्तिककृष्ण दशमी पर एकादश्यां तिथौ अश्लेषा पर मघा नक्षत्रे शुभयोगे वव करणे गुरुवासरे श्रीसूर्योदयादुगत घटीषु ०।४० श्रीसूर्यः कन्यातस्तुलायां प्रविष्टस्तदाऽश्विनो गतः कार्तिकः प्राप्तः। वासतो मन्दा विप्रसुखा नक्षत्रतो घोरा शूद्रसुखा कालतो विप्रघ्नी विषुवती नाम्नी तुलासंक्रान्तिश्च प्राप्तेयं सिंहारूढा गजोपवाहना श्वेतवस्त्रा सुशुक्रायायुधा सुवर्ण पात्रहस्ता अन्नाशना कस्तुरी लेपा देवजातिः पुन्नाग पुष्पा निविष्ठा पथिकीनूपुरा मरणा बाला पूर्वमुखा मुहूर्ताः ३० धान्यर्घं वृद्धिषु समफलदा मक्ष... देवता दामोदरः मासार्को दिवाकरः तुलायां सूर्यः सिंहेचन्द्रः कन्यायांगुरुः तिथिवारं चेति पठेत् ।

श्री. वि' सं. २०२५ ( नेपाली सं. १०८९ कछलाथ्व ) कार्तिक शुक्लः दक्षिणायनं शरद्दतुः ( अक्टूबर-नभेम्बर ) पा. वा. उभा. रे. (२५)

| | ग. | वा. | ति. | घं. | प. | न. | घं. | प. | यो. | घं. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशि | दि.मा. | | सु. | उ. | भा. | अं. | शाके १८९० भारतीय आश्विन३० देखि कार्तिक १४ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ६ | म. | १ | ४७ | ५८ | चि. | १/५७ | ०/४७ | वि. | ८ | ३२ | कि. | २० | २४ | ध्वांक्ष | तु. | २८ | ७ | ६ | २३ | ३० | २२ | गो गोवर्धन पूजा बलिपूजा(म्हपूजा नेपाली संवत् १०८९प्रा.)K |
| | ७ | बु. | २ | ४२ | ३२ | वि. | ५४ | ३ | प्री. | १/५४ | ३०/४ | बा. | १५ | १५ | धाता | ३९\|५९ | २८ | ३ | ६ | २३ | १ | २३ | यमद्वितीया (भाई टीका) चंद्रोदयः स्वात्यां १ सूर्यः ५१।२० । |
| | ८ | बृ. | ३ | ३६ | ४२ | अ. | ४९ | ५८ | सौ. | ४६ | २१ | तै. | ९ | ३७ | आनन्द | वृ. | २७ | ५९ | ६ | २४ | २ | २४ | K उफायां ३ गुरुः ३४।३२ रेवत्यां३शनिः ४७।३७ । |
| प्र. | ९ | शु. | ४ | ३० | ४१ | ज्ये. | ४५ | ४५ | शो. | ३८ | २९ | व. | ०/५७ | ४/४१ | चर | ४५\|४५ | २७ | ५५ | ६ | २५ | ३ | २५ | भ. ३।४१ उ. ३०।४१ या. उफायां १ भौमः १३।२ । |
| | १० | श. | ५ | २४ | ४२ | मू. | ४१ | ३८ | अ. | ३० | ३९ | कौ. | ५१ | ४९ | गद | ध. | २७ | ५२ | ६ | २६ | ४ | २६ | D ३७।४८ उ. । ()उभायां ३ राहुः हस्तभे १ केतुः१७।१२ |
| प्र. | ११ | र. | ६ | १८ | ५७ | पू. | ३७ | ४८ | सु. | २३ | २ | गा. | ४६ | १८ | शुभ | ५१\|५७ | २७ | ४९ | ६ | २६ | ५ | २७ | स्वात्यां २सूर्यः ११।१६ मार्गेण चित्रायांबुधः ५।३२ ,त्रिपुष्करः D |
| | १२ | सो. | ७ | १३ | ३९ | उ. | ३४ | २६ | धृ. | १५ | ५० | वि. | ४१ | १८ | मृत्यु | म. | २७ | ४६ | ६ | २७ | ६ | २८ | भ. १३।३९ उ. ४१।१८ या ज्येष्ठायां शुक्रः ४८।१८ । |
| | १३ | म. | ८ | ८ | ५८ | श्र. | ३१ | ४६ | शू. | ९ | ३ | बा. | ३७ | १ | लुम्ब | म. | २७ | ४३ | ६ | २७ | ७ | २९ | अष्टमी व्रतम् । Q४०।४७। |
| | १४ | बु. | ९ | ५ | ५ | ध. | २९ | ५६ | गं. | २/५७ | ५५/३४ | तै. | ३३ | ३६ | मित्र | ०\|५१ | २७ | ४० | ६ | २८ | ८ | ३० | भ.पं. प्र. ०।५१ सत्ययुगादि कुष्माण्ड नवमी (साँखु चाँगु जाने)C |
| | १५ | बृ. | १० | २ | ८ | श. | २९ | ८ | वृ. | ५३ | ३ | व. | ३१ | १३ | वज्र | कु. | २७ | ३७ | ६ | २८ | ९ | ३१ | भ. ३१।१३ उ. । C स्वात्यां३ सूर्यः ३१।३२ कन्यायां भौमः Q |
| | १६ | शु. | ११ | ०/५९ | ३८/४१ | पू. | २९ | २५ | व्या | ४९ | ३० | व. | २९ | ५९ | ध्वांक्ष | १४\|२० | २७ | ३३ | ६ | २९ | १० | १ | भ.०।१८या. (नोभेंवर ११ ता० ३०) हरिबोधिनी ए. व्र. सर्वेषां । |
| प्र. | १७ | श. | १२ | ६० | ० | उ. | ३० | ५८ | ह. | ४६ | ५६ | कौ | ३० | ० | धूम्र | मी. | २७ | ३० | ६ | २९ | ११ | २ | स्वात्यां ४ सूर्यः ५०।४५ चित्रायां ३ तुलायां बुधः ४४।३१ । |
| | १८ | र. | १३ | ० | २० | रे. | ३३ | ४६ | व. | ४५ | २२ | गा. | ३१ | १९ | प्रवर्द्ध | ३३\|४६ | २७ | २७ | ६ | ३० | १२ | ३ | धनिष्ठा पञ्चक निवृत्तिः ३३।४६ विष्णु वैकुण्ठ च. व्र. । |
| | १९ | सो. | १४ | २ | १९ | अ. | ३७ | ४४ | सि | ४४ | ४५ | वि. | ३३ | ५३ | राक्षस | मे. | २७ | २३ | ६ | ३१ | १३ | ४ | भ.२।१९उ.३३।५३ या. शिववैकुण्ठ पूर्णिमा व्रतं त्रिपुरोत्सवः ।() |
| | २० | म. | १५ | ५ | २७ | भ. | ४२ | ४९ | व्य. | ४४ | ५६ | बा. | ३७ | ३२ | सुशल | ५९\|१७ | २७ | २० | ६ | ३१ | १४ | ५ | उफायां३भौमः १३।३८ चातुर्मास्य व्रतपूर्तिः (सकिम्लापुन्ही) । |
| | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + + + | + + + | + | + | + | + | + | + | |

| २८ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| का | ६ | ४ | ५ | ५ | ७ | ११ | ११ |
| १० | ९ | २७ | २२ | ४ | १३ | २६ | १३ |
| गा. | २ | १७ | ४० | ३ | ३२ | २३ | ४८ |
| ७ | २३ | २२ | ४ | २५ | ३३ | ५५ | ५१ |
| १३ | ६० | ३६ | ४६ | १२ | ७२ | ४ | ३ |
| ४० | १ | ५८ | ११ | १ | ४४ | ४१ | ११ |

| २९ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| का | ६ | ५ | ५ | ५ | ७ | ११ | ११ |
| १७ | १६ | १ | २९ | ५ | २२ | २५ | १३ |
| गा. | २ | ३१ | २२ | २६ | ३ | ५० | २१ |
| ७ | ३३ | ४४ | ४४ | ५९ | ३६ | ३७ | ३४ |
| १३ | ६० | ३६ | ७१ | ११ | ७२ | ४ | ३ |
| २७ | १४ | ३ | ५८ | ३६ | ४० | २३ | ११ |




कार्तिकं सकलं मासं नित्यस्नायी जितेन्द्रियः । जपन्हविष्य भुक् शान्तः सर्वं पापैः प्रमुच्यते । इदं च स्नानं काशीस्थ पञ्च गङ्गायामति प्रशस्तम् । स्नान मन्त्राश्च—कार्तिकेहं करिष्यामि प्रातस्नानं जनार्दनः । प्रीत्यर्थं तवदेवेश दामोदर मयासह । प्रदीपं ते प्रयच्छामि नमोऽनन्ताय वेधसे ॥ काकबलिदान मन्त्र—ऐन्द्रवारुणवायव्यां याम्यांवैनिऋतिस्तथा ॥ वायसाप्रतिगृह्णन्तु मयादत्तं बलित्विमम् । नरकचतुर्दश्यां अपमार्गभ्रमण मन्त्रः—सीतालोष्ट समायुक्तं संकटक दलान्वितः । हरपापमपामार्ग भ्राम्यमाणः पुनः पुनः ॥ तांहते माष पत्र भक्षणमन्त्रः—नुदः सर्वाणि पापानि नारकादर्शनं कुरु । प्रश्नामि तव पत्राणि माष देहियशोबलम् ॥ गोवर्धन पूजा मन्त्र—गोवर्धन धरा धार गोकुल त्राण कारक । बहु बाहु कृतच्छाय गवां कोटी प्रदोभव ॥ भातृ द्वितीयायां-स्नेहेन भगिनी हस्ताद् भोक्तव्यं पुष्टि वर्धनं । दानानि च प्रदेयानि भगिनीभ्यो विशेषतः ॥

 श्री वि. सं. २०२५ ( नेपाली सं. १०८९ कछलागा ) मार्ग कृष्णः दक्षिणायनं शरद्हेमन्तर्तुः ( नभेम्बर ) पा. उफा. ह. अनु.

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चन्द्रराशिः | दि.म. | | सू.उ. | | भा. | ग. | शाके १८९० भारतीय कार्तिक १५ गते देखि २९ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | बु. | १ | ९ | ३७ | कृ. | ४८ | ४२ | व. | ४२ | ४६ | तै. | ४२ | ४ | सिद्ध | वृ. | २७ | १७ | ६ | ३२ | १५ | ६ | विशाखायां १ सूर्यः ९।८ त्रिजटार्घदानम् । |
| | २२ | बृ. | २ | १४ | ३१ | रो. | ५५ | ४ | प. | ४७ | ० | व. | ४७ | १० | उत्पात | वृ. | २७ | १४ | ६ | ३३ | १६ | ७ | स. ४७।१० उ. स्वात्यांबुधः ५६।४२ । |
| प्र. | २३ | शु. | ३ | १९ | २० | मृ. | ६० | ० | शि. | ४८ | २५ | व. | ५२ | २६ | मानस | २८।३० | २७ | ११ | ६ | ३४ | १७ | ८ | स.१९।५०या. उफायां४गुरुः ५५।१२ मूले१धनुषिशुक्रः ५६।४६। |
| | २४ | श. | ४ | २५ | ३ | मृ. | १ | २६ | सि. | ४९ | २४ | कौ. | ५७ | २५ | वज्र | मि. | २७ | ८ | ६ | ३४ | १८ | ९ | विशाखायां २ सूर्यः २७।४१ । |
| | २५ | र. | ५ | २९ | ४७ | आ. | ७ | ४७ | सा. | ५० | १७ | तै. | २९ | ४७ | ध्वांक्ष | २६।२१ | २७ | ५ | ६ | ३५ | १९ | १० | उफायां ४ भौमः ४५।७ । |
| प्र. | २६ | सो. | ६ | ३३ | ४२ | पु. | १२ | १२ | शु. | ५० | १७ | ग. | १ | ४४ | धूम्र | क. | २७ | १ | ६ | ३६ | २० | ११ | स. ३३।४२ उ. । |
| | २७ | म. | ७ | ३६ | २३ | ति. | १७ | ४६ | शु. | ४९ | २७ | वि. | ५ | ७ | प्रवर्द्ध | क. | २६ | ५८ | ६ | ३६ | २१ | १२ | स. २।७ या. विशाखायां ३ सूर्यः ४५।४० अष्टमी व्रतम् । |
| | २८ | बु. | ८ | ३८ | ११ | अ. | २१ | १० | ब्र. | ४७ | ३८ | बा. | ७ | २२ | राक्षस | २१।१० | २६ | ५५ | ६ | ३७ | २२ | १३ | भैरवाष्टमी । S भौमः १९।२८ विशाखायां बुधः ४१।१९ । |
| | २९ | बृ. | ९ | ३८ | ३१ | म. | २२ | १५ | ऐं. | ४४ | ४९ | तै. | ८ | ३१ | मुसल | सिं. | २६ | ५१ | ६ | ३८ | २३ | १४ | T षाढायां शुक्रः ४८।२९ । |
| | ३० | शु. | १० | ३७ | ३६ | पू. | २४ | ८ | वै. | ४१ | १ | व. | ८ | ३ | सिद्धि | ३९।३ | २६ | ४८ | ६ | ३९ | २४ | १५ | स. ८।२ उ. २७।२६ या. गुह्येश्वरी यात्रा । |
| | १ | श. | ११ | ३५ | २७ | उ. | २३ | ५१ | वि. | ३६ | १८ | व. | ६ | ३१ | उत्पात | कं. | २६ | ४५ | ६ | ३९ | २५ | १६ | वृश्चिकार्कः ३।२८ संक्रान्तिः उत्पत्तिका ए. व्र. स. हस्तभे १ S |
| प्र. | २ | र. | १२ | ३२ | १५ | ह. | २२ | २८ | प्री. | ३० | ४२ | कौ. | २ | ५१ | मानस | ५१।१९ | २६ | ४२ | ६ | ४० | २६ | १७ | द्विपुष्करः २२।२८ ऊ. ३२।१५ या. पूर्वास्तो बुधः २४।३६ । |
| | ३ | सो. | १३ | २८ | ० | चि. | २० | ११ | आ. | २४ | २४ | ग. | [illegible] | | मुद्गर | तु. | २६ | ३८ | ६ | ४१ | २७ | १८ | स. २८।१९ उ. ५१।४३ या. सोम प्रदोष व्रतम् । |
| | ४ | म. | १४ | २३ | १८ | स्वा. | १७ | ८ | सौ. | १७ | २० | च. | ५० | ३५ | केतु | ५९।२२ | २६ | ३५ | ६ | ४१ | २८ | १९ | शतबीज छुलें·बालाचह्रे अनुराधायां १ सूर्यः २१।३५ पूर्वा T |
| | ५ | बु. | ३० | १७ | ४३ | वि. | १२ | २९ | शो. | १० | ८ | कि. | ४५ | ० | धाता | वृ. | २६ | ३२ | ६ | ४२ | २९ | २० | दर्शश्राद्धम् । |

| ३० | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| का | ६ | ५ | ६ | ५ | ८ | ११ | ११ |
| २४ | २३ | ५ | ८ | ६ | ० | २५ | १३ |
| गा. | ५ | ४४ | ३२ | ४३ | ३२ | १९ | ४ |
| ७ | २७ | ५४ | ५९ | १९ | १ | २८ | १० |
| १२ | ६० | ३५ | ८८ | ११ | ७२ | ४ | ३ |
| १५ | २६ | ५९ | ३३ | २ | ३२ | ० | ११ |

| ३१ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा | ७ | ५ | ६ | ५ | ८ | ११ | ११ |
| १ | ० | ९ | १९ | ७ | ८ | २४ | १२ |
| गा. | ९ | ५६ | १३ | ५८ | ५६ | ५२ | ४२ |
| ७ | ३० | ३ | ४९ | ५२ | ३२ | ० | ० |
| १३ | ६० | ३५ | ९७ | १० | ७१ | ३ | ३ |
| २ | ३७ | ५३ | ५८ | १८ | ५७ | ३२ | ११ |

२३ ग. शु. ९, १ ग. सू. ८,

८
६ वृ. संके.
९ श.
सू. बु. ७
५
१०
४
११
१
१२ रा. श.
२

| सू. फ. | रा. | च. फ. |
|---|---|---|
| कष्टम् | मे. | लाभः |
| शमनं | वृ. | कार्यना |
| शत्रु ना. | मि. | कुक्षिरुक् |
| दैन्यम् | क. | श्रीप्राप्ति |
| मानना. | सिं. | धनना. |
| श्री प्राप्ति | कं. | अर्थना. |
| भयम् | तु. | व्ययः |
| स्थानना. | वृ. | लाभः |
| व्ययः | ध. | सुखम् |
| लाभः | म. | नृपभ. |
| कम प्रा. | कुं. | कष्टम् |
| कान्तिप्र. | मी. | स्त्रीसुखं |

पू. उ. ह. . . . . . गमनं
चि.स्वा.वि.श्र.ज्येसू.सुखम्
पू. उ. श्र. . . . . पीडा
ध.श.पू.उ.रे.अ. . वधम्
भ. कृ. रो. . . . . हानिः
मृ.आ.पु.ति.अ.म. धनम्

श्री विक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्री सूर्यादक्षिणायने हेमन्ततौ मार्गशीर्ष कृष्णैकादश्यां तिथौ उफायां नक्षत्रे विष्कुम्भ योगे वव करणे शनिवासरे श्रीसूर्योदयाद्गतघटीषु ३।२८ श्री सूर्यस्तुलातोवृश्चिकं प्रविष्टस्तदा शरदृतु कार्तिकौ गतौ हेमन्ततु मार्गौ प्राप्तौ। वारतो राक्षसी अन्त्यज सुखा कालत क्षत्रियघ्नी नक्षत्रतो मन्दा विप्रसुखा विष्णुपदी नाम्नी वृश्चिक संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं - सिंहारूढा गजोपवाहना श्वेतवस्त्रा भुशुण्डयायुधा सुवर्णपात्र हस्ता अन्नाशना कस्तूरीलेपा देवजातिः पुन्नाग पुष्पा निविष्टा पथिकी नूपुराभरणा बाला पूर्वमुखा मुहूर्ताः ४५ धान्यर्घ वृष्टिषु श्रेष्ठ फलदा मासदेवता केशवः मासाकौ मित्रः वृश्चिके सूर्य कन्यायां चन्द्र गुरुः तिथिवारं चेति पठेत् ।

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशि | दि. | मा. | सू. | उ. | भा. | अं. | शाके १८९० भारतीय कार्तिक ३० देखि मार्ग १२ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | बृ. | १ | १२ | ७ | श्र. | ९ | २८ | श्र. | [illegible] | [illegible] | बा. | ३९ | ८ | आनन्द | वृ. | २६ | २९ | ६ | ४२ | ३० | २१ | चन्द्रोदयः हस्तभे २ भौमः ५६।२९ |
| ७ | शु. | २ | ६ | १० | ज्ये. | ५ | १६ | धृ. | ४६ | ३८ | तै. | ३३ | १२ | चर | ५।१६ | २६ | २६ | ६ | ४३ | १ | २२ | अनुराधायां २ सूर्यः३८।३३ विशाखायां ४ वृश्चिके बुधः ४५।१० |
| प्र. ८ | श. | ३ | [illegible] | [illegible] | मू. | [illegible] | [illegible] | शू. | ३८ | ५६ | व. | २७ | २४ | गद | ध. | २६ | २४ | ६ | ४३ | २ | २३ | भ. २७।२४ उ. ५४।३५ या. |
| ९ | र. | ५ | ४९ | २२ | उ. | ५३ | ४२ | गं. | ३१ | ३१ | च. | २१ | ५९ | अमृत | ११।१८ | २६ | २० | ६ | ४४ | ३ | २४ | अनुराधायां बुधः ४०।५८ जनकपुरे विवाह पञ्चमी मेला। |
| १० | सो. | ६ | ४४ | ४८ | श्र. | ५० | ५२ | वृ. | २४ | ३२ | कौ. | १७ | ५ | काण | म. | २६ | १७ | ६ | ४५ | ४ | २५ | अनुराधायां ३ सूर्यः ५१।५७ |
| प्र. ११ | म. | ७ | ४१ | २ | ध. | ४८ | ४९ | ध्रु. | १८ | ९ | ग. | १२ | ५५ | उत्पात | १९।५० | २६ | १५ | ६ | ४५ | ५ | २६ | भ. ४१।२ उ. द्विपुष्करः ४१।२ धनिष्ठापञ्चकप्रवृत्तिः १९।५० |
| १२ | बु. | ८ | ३८ | १२ | श. | ४७ | ४५ | व्या. | १२ | २८ | वि. | ९ | ५७ | मानस | कुं. | २६ | १३ | ६ | ४६ | ६ | २७ | भ. ९।५७ या हस्तभे ३ भौमः ३२।४१ अष्टमीव्रतं |
| १३ | बृ. | ९ | ३६ | ३२ | पू. | ४७ | ४८ | ह. | ७ | ३८ | बा. | ७ | २२ | मुद्गर | ३२।४५ | २६ | ११ | ६ | ४६ | ७ | २८ | |
| १४ | शु. | १० | ३६ | ४ | उ. | ४९ | २ | व. | ३ | ४४ | तै. | ६ | १८ | केतु | मी. | २६ | १० | ६ | ४७ | ८ | २९ | अनुराधायां ४ सूर्यः ११।४८ हस्तभे १ गुरुः १८।३५ |
| १५ | श. | ११ | ३६ | ५४ | रे. | ५१ | ३४ | सि | [illegible] | [illegible] | व. | ६ | २९ | धाता | ५१।३४ | २६ | ९ | ६ | ४७ | ९ | ३० | भ. ६।२९ उ. ३६।५४या. मोक्षदा ए.ब.स. धनि.प.नि.५१।३४ P |
| १६ | र. | १२ | ३९ | ० | अ. | ५५ | १७ | व. | ५७ | ५५ | व. | ७ | ५७ | आनन्द | मे. | २६ | ७ | ६ | ४७ | १० | १ | ( दिसंबर १२ ता. ३१) P उषाढायां शुक्रः ५९।५९ |
| १७ | सो. | १३ | ४२ | १८ | भ. | ६० | ० | प. | ५७ | ४८ | कौ. | १० | ३९ | चर | मे. | २६ | ६ | ६ | ४७ | ११ | २ | ज्येष्ठायां १ सूर्यः२८।४० ज्येष्ठायां बुधः २४।१ सोम प्रदोष व्रतं |
| १८ | म. | १४ | ४६ | ३६ | भ. | ० | ८ | शि. | ५८ | २५ | ग. | १४ | २७ | मुसल | १६।३४ | २६ | ५ | ६ | ४७ | १२ | ३ | भ. ४६।३६ उ. हस्तभे४भौमः१२।४७उषाढायां२मकरे शुक्रः४६।१६ |
| १९ | बु. | १५ | ५१ | ३७ | कृ. | ५ | ५५ | सि | ५९ | ३० | वि. | १९ | ६ | सिद्धि | वृ. | २६ | ३ | ६ | ४८ | १३ | ४ | भ. १०।१६ या. धान्य पूर्णिमा व्रतं तैद्धपूजा (थिलापुन्ही) |

७ गा. कृ. ८, १८ गा. शु. १०

| ३२ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा | ७ | ५ | ७ | ५ | ८ | ११ | ११ |
| ८ | ७ | १४ | ० | ९ | १७ | २४ | १२ |
| ग. | १४ | ५ | ४७ | ३ | २३ | २९ | १९ |
| ७ | ४१ | २३ | ४२ | ५३ | ३३ | ९ | ४३ |
| १२ | ६० | ३५ | १०३ | ९ | ७१ | २ | ३ |
| ४७ | ४७ | ४१ | ३७ | २८ | ३५ | ५७ | ११ |

| ३३ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा | ७ | ५ | ७ | ५ | ८ | ११ | ११ |
| १५ | १४ | १८ | १२ | १० | २५ | २४ | ११ |
| ग. | २१ | १४ | ४९ | ७ | ४३ | ११ | ५७ |
| ७ | ४५ | २ | ६ | ४६ | ३७ | ५ | २६ |
| १२ | ६० | ३५ | १०५ | ८ | ७१ | २ | ३ |
| ३५ | ५७ | १७ | २३ | ३८ | २१ | १६ | ११ |




अथ प्रतिपदि भिजटायै दान मन्त्रः—रामाय वरदे देवी सीतायै प्रियवादिनी। गृहाणार्घ्यं मयादत्तं भिजटायै नमोनमः॥ बाला चतुर्दश्यां कृत्य र्णानि हेमाद्रौ सुवर्णं रतिका तुल्यं भ्रीहिमेकं परिचिपेत्। पूजयेद् पशुपद् देवं गुह्येशीं परमेश्वरीम्। बासुकिनाग राजस्य तद्दिने पूजनं चरेत्॥ करोत्पातादि नक्षत्रस्य चन्द्रेणभोगे सति मंगल कार्ये दोषो नास्ति तदेवाह--अर्चाणि विद्धानि क्रुर मुक्तादिकानि च। भुक्त्वा चन्द्रेण मुक्तेश्चेत्शुभदानि प्रचक्षते॥

मार्ग शीर्षादौ द्वादश मासेषु रविवार व्रते च भक्ष्याणि--पत्र भित्वं तुलस्यात्रिपलमथ घृतं मार्ग शिर्षादि भक्ष्यम्। मुष्टीनां भिस्तिखानां भिपद्धदधि तथा दुग्धकं गोमयश्च। भितयं ञ्जलीनां भिमरिचक सथो भिपलाः सक्तवः स्युः। गोमूत्रं शर्करासद्ध्विरिति त्रिधि भानुवार क्रमेण॥ इति॥

श्री वि. सं २०२५ ( नेपाली सं १०८९ थिलागा ) पौष कृष्णः दक्षिणायणं हेमन्तर्तुः ( दिशम्बर ) पा. ति. ऊफा. ह. चि. सू.

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशिः | दि | मा | सू. | उ. | भा | अं. | शाके १८९० भारतीय मार्ग १४ देखि २८ तक. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २० | बृ. | १ | ५७ | १ | रो. | १२ | १३ | सा. | ६० | ० | बा. | २४ | १९ | उत्पात | ४५।२९ | २६ | २ | ६ | ४८ | १४ | ५ | ज्येष्ठायां २ सूर्यः ४४।१५ । |
| | २१ | शु. | २ | ६० | ० | मृ. | १८ | ४६ | सा. | ० | ५३ | तै. | २९ | ३९ | मानस | सिं. | २६ | १ | ६ | ४८ | १५ | ६ | |
| | २२ | श. | २ | २ | १८ | आ. | २५ | ४ | शु. | २ | ७ | व. | ३४ | ४१ | मुद्गर | सिं. | २६ | ० | ६ | ४८ | १६ | ७ | भ. २४।४१ उ. । |
| प्र | २३ | र. | ३ | ७ | ५ | पु. | ३० | ४४ | शु. | २ | ५९ | व. | ३९ | ३ | केतु | १४।२९ | २५ | ५८ | ६ | ४८ | १७ | ८ | भ. ७।५ या. चित्रायां १ भौमः ५४।२० । |
| | २४ | सो. | ४ | ११ | १ | ति. | ३५ | ३० | ब्र. | ३ | १२ | कौ. | ४२ | २५ | धाता | क. | २५ | ५६ | ६ | ४९ | १८ | ९ | ज्येष्ठायां ३ सूर्यः ०।४५ । |
| | २५ | मं. | ५ | १३ | ५० | अ. | ३९ | १२ | ऐं. | २ | ३८ | ग. | ४४ | ३८ | आनन्द | ३९।१२ | २५ | ५४ | ६ | ४९ | १९ | १० | मूले १ धनुषि बुधः २।१७ अभिजिति शुक्रः १९।० । |
| प्र | २६ | बु. | ६ | १५ | २६ | म. | ४१ | २६ | वै. | ५८ | ३५ | वि. | ४५ | २५ | चर | सिं | २५ | ५२ | ६ | ४९ | २० | ११ | भ. १५।२६ उ. ४५।३५ या. । |
| | २७ | बृ. | ७ | १५ | ४४ | पू. | ४२ | ४८ | प्री. | ५५ | ४ | बा. | ४५ | १४ | गद | ५७।४७ | २५ | ५१ | ६ | ४९ | २१ | १२ | ज्येष्ठायां ४ सूर्यः १६।१० श्रवणे शुक्रः १५।१५ अष्टमी व्रतं । |
| | २८ | शु. | ८ | १४ | ४५ | उ. | ४२ | ४५ | आ. | ५० | ३७ | तै. | ४३ | ४१ | शुभ | कं. | २५ | ५० | ६ | ४९ | २२ | १३ | शुक्रस्याऽभिजित्त्यागः १।१८ । |
| | २९ | श. | ९ | १२ | ३७ | ह. | ४१ | ३८ | सौ. | ४५ | १८ | व. | ४१ | १ | मृत्यु | कं. | २५ | ४९ | ६ | ५० | २३ | १४ | भ. ४।११ उ. चित्रायां २ भौमः ४०।५६ । |
| | १ | र. | १० | ९ | २५ | चि. | ३९ | ३५ | शो. | ३९ | ११ | व. | ३७ | २१ | वज्र | १०।३६ | २५ | ४८ | ६ | ५० | २४ | १५ | भ. ९।२५ या. मूले १ धनुष्यर्कः३२।२० संक्रान्तिः (दिशीपूजा) |
| | २ | सो. | ११ | ५ | १८ | स्वा. | ३६ | ४३ | अ. | ३२ | २५ | कौ. | ३२ | ५३ | छत्र | तु. | २५ | ४७ | ६ | ५० | २५ | १६ | सफला एकादशी व्रतं सर्वेषाम् । |
| प्र | ३ | मं. | १२ | ५५ | २८ | वि. | ३३ | १२ | सु. | २५ | ९ | ग. | २७ | ४६ | श्रीवत्स | १८। ४ | २५ | ४६ | ६ | ५० | २६ | १७ | भ. ५५।५ उ. प्रदोष व्रतं । |
| | ४ | बु. | १४ | ४९ | २२ | अ. | २९ | १७ | धृ. | १७ | ३२ | वि. | २२ | १३ | सौम्य | वृ. | २५ | ४५ | ६ | ५१ | २७ | १८ | भ. २२।१३ या. मूलेर सूर्यः ४७।३५ पश्चिमोदितो बुधः३२।४२B |
| | ५ | बृ. | ३० | ४३ | २८ | ज्ये. | २५ | ८ | शू. | ९ | ३९ | च. | १६ | २५ | काल | २५। ८ | २५ | ४४ | ६ | ५१ | २८ | १९ | दर्शश्राद्धम् । Bपूर्वाषाढायां बुधः ०।४६ । |

| ३४ | र. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | ७ | ५ | ७ | ५ | ९ | ११ | १[illegible] |
| २२ | २१ | २२ | २५ | ११ | ४ | २३ | १[illegible] |
| गा. | २९ | २० | १ | ६ | २ | ५७ | ३[illegible] |
| ७ | ४१ | १७ | ८ | २४ | ५९ | २८ | [illegible] |
| १२ | ६१ | ३५ | १०५ | ७ | ७० | १ | ३[illegible] |
| २२ | ४ | ८ | ३२ | ४२ | ४४ | ३० | १[illegible] |

| ३५ | र. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | ७ | ५ | ८ | ५ | ९ | ११ | १[illegible] |
| १९ | २८ | २६ | ८ | ११ | १२ | २३ | १[illegible] |
| गा. | ३८ | २३ | ० | ५९ | १५ | ४७ | १[illegible] |
| ७ | १६ | २३ | ३६ | ३५ | २६ | ३८ | ५[illegible] |
| १२ | ६१ | ३४ | १०३ | ६ | ६९ | ० | ३[illegible] |
| १० | १० | २९ | ९ | ३६ | ३० | ५६ | १[illegible] |

९ ७
शु.१० सू.बु.८
११ ५
श. रा.१२ २ ४
१ ३

| कृ. प. | कीर्तिपुष्टिः | लाभः | कार्यनाशः | कुलिवृद्धिः | श्रीप्राप्तिः | धननाशः | सफला | व्ययः | लाभः | सुखम् | सुखप्राप्तिः | कष्टम् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| शु. प. | कीर्तिदः | कष्टम् | गमनं | शत्रुनाशः | हिंसाम् | माननाशः | श्रीप्राप्तिः | भयम् | स्थाननाशः | व्ययः | लाभः | कष्टं प्रा. |

ह.।च.स्वा. . . . . गमनं
चि.अ.ज्ये.मू.पू.उ. सुखम्
श्र.ध.श. . . . . . पीडा
पू.उ.-रे.अ. भ.कृ. वस्त्रम्
रो.मृ.आ. . . . . हानिः
पु.ति.श्ले.म.पू.उ. धनम्

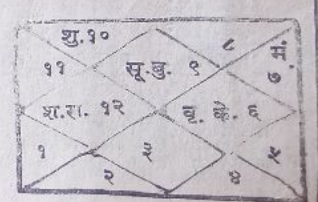
( पौष ) श्री विक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्रीसूर्योदक्षिणायने हेमन्ततौं पौष कृष्णैकादश्यां तिथौ चित्रा नक्षत्रे शोभन योगे वव करणे आदित्य वासरे श्री सूर्योदयाद्गत घटीषु ३२।२० श्री सूर्यो वृश्चिकाद्धनुषि प्रविष्टस्तदा मार्गोगतः पौषः प्राप्तः । वारतो घोरा शूद्र सुखा नक्षत्रतो मन्दाकिनी क्षत्रियसुखा कालतः पिशाचघ्नी षडशीत्यानना धनुः संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं सिंहारूढा गजो पवाहना श्वेतवस्त्रा सुशुण्डायुधा सुवर्ण पात्र हस्ता अन्नाशना कस्तूरी लेपा देवजातिः पुन्नाग पुष्पा निविष्ठा पथिकी नूपुरा भरणा बाला पूर्वमुखा मुहूर्ताः ३० धान्यर्घं वृष्टिषु समफलदा मास देवता नारायणः मासार्को विष्णुः धनुषि सूर्यः तुलायां चन्द्रः कन्यायां गुरुः तिथि वारश्चेति पठेत् ।

| ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घं. | प. | यो. | घं. | प. | कं. | घं. | प. | योगाः | चंद्रराशि | दि.मा. | | सू.उ. | | भा. | अं. | शाके १८९० भारतीय मार्ग २९ देखि पौष १३ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | शु. | १ | ३७ | ३७ | मू. | २० | ५८ | गं. | १ ५३ | ४ ३३ | कि. | १० | ३२ | सुस्थिर | ध. | २५ | ४२ | ६ | ५१ | २९ | २० | चित्रायां ३ तुलायां भौमः २६।५१ । D शुक्रः ४७।३८ |
| ७ | श. | २ | ३२ | २ | पू. | १७ | २ | ध्रु. | ४६ | २० | बा. | ५ ५९ | ४९ ३९ | मातङ्ग | ३१ \| ८ | २५ | ४० | ६ | ५२ | ३० | २१ | त्रिपुष्करः १७।२ उ. ३२।२ था. । B भौमः २०।४३ । |
| ८ | र. | ३ | २६ | ५६ | उ. | १३ | २८ | व्या. | २९ | ११ | व. | ५४ | ४१ | अमृत | म. | २५ | ३९ | ६ | ५२ | १ | २२ | म. ५४।४१ उ. मूले ३ सूर्यः ३।२४ । |
| ९ | सो. | ४ | २२ | २७ | श्र. | १० | २९ | ह. | ३२ | ३५ | व. | ५० | ३७ | सिद्धि | ३९ \| २२ | २५ | ४० | ६ | ५२ | २ | २३ | म. २२।२७ या. धनिष्ठा पञ्चक प्रवृत्तिः ३९।२२ धनिष्ठायां D |
| १० | म. | ५ | १८ | ४८ | ध. | ८ | १६ | व. | २६ | ३८ | कौ. | ४७ | २८ | उत्पात | कुं. | २५ | ४१ | ६ | ५२ | ३ | २४ | |
| ११ | बु. | ६ | १६ | ८ | श. | ६ | ५९ | सि. | २१ | ३१ | ग. | ४५ | २२ | मानस | ५१ \| ५३ | २५ | ४२ | ६ | ५२ | ४ | २५ | मूले ४ सूर्यः १८।४१ । C उषायां २ मकरे बुधः ३३।५५ । |
| १२ | बृ. | ७ | १४ | ३७ | पू. | ६ | ५१ | व्य. | १७ | १८ | वि. | ४४ | २८ | मुद्गर | मी. | २५ | ४३ | ६ | ५१ | ५ | २६ | भ. १४।३७ उ. ४४।४८ या. मार्गीशनिः ४०।५५ चित्रायां ४ B |
| १३ | शु. | ८ | १४ | १९ | उ. | ७ | ४९ | व. | १४ | २ | बा. | ४४ | ४८ | केतु | मी. | २५ | ४४ | ६ | ५१ | ६ | २७ | हस्तभे २ गुरुः ५३।० अष्टमी व्रतं । |
| १४ | श. | ९ | १५ | १८ | रे. | १० | २ | प. | ११ | ४५ | तै. | ४६ | २६ | धाता | १० \| २ | २५ | ४६ | ६ | ५१ | ७ | २८ | धनिष्ठापञ्चक निवृत्तिः १०।२ पूर्वाषाढायां १ सूर्यः ३४।२० । |
| १५ | र. | १० | १७ | ३५ | अ. | १३ | ३२ | शि. | १० | २९ | व. | ४९ | १८ | आनन्द | मे. | २५ | ४७ | ६ | ५१ | ८ | २९ | भ. ४९।१८ उ. उषायाबुधः १८।५९ कुम्भे शुक्रः ४०।७ । |
| १६ | सो. | ११ | २१ | १ | भ. | १८ | ८ | सि. | १० | ५ | व. | ५३ | १४ | चर | ३४ \| ३२ | २५ | ४८ | ६ | ५० | ९ | ३० | भ. २१।१ या. पुत्रदाएकादशी व्रतं सर्वेषाम् । |
| १७ | म. | १२ | २५ | २७ | कृ. | २३ | ४६ | सा. | १० | ३० | कौ. | ५८ | १ | गद | वृ. | २५ | ४९ | ६ | ५० | १० | ३१ | त्रिपुष्करः २५।२७ या (सुस्याधुली) पुषायां २ सूर्यः ४९।३८C |
| १८ | बु. | १३ | ३० | ३५ | रो. | २९ | ५८ | शु. | ११ | २७ | तै. | ३० | ३५ | शुभ | वृ. | २५ | ५१ | ६ | ५० | ११ | १ | (सन् १९६९ जनवरी ३१) स्वात्यां १ भौमः १५।५० । |
| १९ | बृ. | १४ | ३६ | २ | मृ. | ३६ | ३२ | शु. | १२ | ४४ | ग. | ३ | १८ | मृत्यु | ३ \| १५ | २५ | ५२ | ६ | ४९ | १२ | २ | भ. ३६।२ उ. । |
| २० | शु. | १५ | ४१ | १९ | आ. | ४२ | ५६ | ब्रं. | १४ | ४ | वि. | ८ | ४० | पद्म | मि. | २५ | ५३ | ६ | ४९ | १३ | ३ | भ. ८।४० या. पूर्णिमा व्रतं (सिलापुन्ही) श्रीस्वस्थानि व्रतःऽ |
| + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | ऽरम्भो माघ स्नानारम्भश्च । |

१५ ग. शु. ११, १७ ग. कृ. १०,

| ३६ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पौ. | ८ | ६ | ८ | ५ | ९ | ११ | ११ |
| ७ | ५ | ० | १८ | १२ | २० | २३ | १० |
| ग. | ४७ | २५ | २९ | ४४ | २१ | ४५ | ५० |
| ७ | २५ | ४८ | ३७ | ३३ | ५५ | ५ | ३५ |
| ११ | ६१ | ३४ | ९७ | ५ | ६८ | ० | ३ |
| ५७ | १६ | १९ | १० | ३५ | ३८ | ३४ | ११ |

| ३७ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पौ. | ८ | ६ | ८ | ५ | ९ | ११ | ११ |
| १४ | १२ | ४ | २५ | १३ | २८ | २३ | १० |
| ग. | ५७ | २२ | ० | २१ | २० | ४७ | २८ |
| ७ | ३ | ५८ | ३२ | १४ | २९ | १९ | १८ |
| ११ | ६१ | ३३ | ८८ | ३ | ६७ | ० | ३ |
| ५३ | २० | ५९ | ५६ | ५५ | ४० | ४६ | ११ |




गया श्राद्धकालः मीन मेष स्थिते सूर्येकन्यायां कार्मुके घटे । दुर्लभं त्रिषु लोकेषु गयायां पिण्डपातनम् । अथ काकस्पर्श फल माह-मस्तके वायस स्पर्शे दारिद्र्यं मरणं कलिः । कर्ण्यास्कन्धौ महाभीति रिष्टश्चैव प्रकीर्तितम् । योषितो मस्तके भर्तुर्विनाशो वा सुतस्य च ॥ कदाचित् काकस्पर्शेऽपि दोषाभाव माहः—वृषाधो वाथ सिद्धान्न भक्षेद्यादि योगतः । काकस्पर्शे न दोषाय कास्मिश्चिद्दूषणं तदा । षड्मासा भ्यन्तरे मृत्युः काक मैथुन दर्शने । तद्दोष शान्तये काकः शान्ति कुर्याद् विचक्षणः ॥

 २९२२७ उत्तरर्तुः (जनवरी) पा. उफा. ह. स्वा. उषा.

शाके १८९० भारतीय पौष १४ देखि २८ तक

| वा. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चन्द्रराशि | दि.मा. | | सू. उ. | मा. | अं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१ | म. | १ | ४६ | ४ | पू. | ४८ | ४८ | वृ. | १५ | ५ | बा. | १३ | ४१ | छत्र | ३२।२० | २५ | ५४ | ६ ४९ | १४ | ४ |
| २२ | बु. | २ | ४९ | ५६ | ति. | ५२ | ४८ | वै. | १५ | २२ | तै. | १८ | ० | श्रीवत्स | क. | २५ | ५५ | ६ ४९ | १५ | ५ |
| २३ | गो | ३ | ५२ | ४१ | श्र. | ५७ | ४९ | वि. | १५ | १५ | व. | २१ | १८ | सौम्य | ५७।४९ | २५ | ५७ | ६ ४९ | १६ | ६ |
| प्र. २४ | म. | ४ | ५४ | १२ | म. | ६० | ० | प्री. | १४ | ५ | व. | २२ | २६ | काल | कुं. | २५ | ५९ | ६ ४८ | १७ | ७ |
| २५ | बु. | ५ | ५४ | २६ | म. | ० | २१ | आ. | ११ | ५५ | कौ. | २४ | १९ | चर | कुं. | २६ | ० | ६ ४८ | १८ | ८ |
| २६ | बृ. | ६ | ५२ | २२ | पू. | २ | ० | सौ. | ८ | ४६ | ग. | २३ | ५४ | गद | १७।३ | २६ | १ | ६ ४८ | १९ | ९ |
| प्र. २७ | शु. | ७ | ५१ | ९ | उ. | २ | १४ | शो. | [illegible] | [illegible] | वि. | २२ | १५ | शुभ | मी. | २६ | २ | ६ ४८ | २० | १० |
| २८ | श. | ८ | ४७ | ५२ | रे. | [illegible] | [illegible] | सु. | ५२ | ५० | बा. | १९ | ३० | मृत्यु | ३०।२७ | २६ | ३ | ६ ४८ | २१ | ११ |
| २९ | र. | ९ | ४३ | ४२ | स्वा | ५६ | ५२ | धृ. | ४७ | १९ | तै. | १५ | ४७ | मुस्ल | मे. | २६ | ५ | ६ ४८ | २२ | १२ |
| ३० | सो. | १० | ३८ | ५१ | वि. | ५३ | ३१ | शू. | ४० | १४ | व. | ११ | १६ | मित्र | ३८।२० | २६ | ७ | ६ ४७ | २३ | १३ |
| १ | म. | ११ | ३३ | २७ | कृ. | ४९ | ४३ | गं. | ३२ | ४६ | ब. | ६ | ९ | वज्र | वृ. | २६ | ९ | ६ ४७ | २४ | १४ |
| प्र. २ | बु. | १२ | २७ | ४२ | रो. | ४५ | ३७ | वृ. | २५ | ० | कौ. | [illegible] | [illegible] | ध्वांक्ष | ४५।२७ | २६ | १० | ६ ४७ | २५ | १५ |
| ३ | बृ. | १३ | २१ | ५० | मृ. | ४१ | २७ | ध्रु. | १७ | ५ | वि. | ४८ | ५६ | धूम्र | मि. | २६ | ११ | ६ ४६ | २६ | १६ |
| ४ | शु. | १४ | १६ | २ | पु. | २७ | २७ | व्या. | ९ | १३ | श. | ४३ | १६ | प्रवर्द्ध | ५१।२२ | २६ | १३ | ६ ४६ | २७ | १७ |
| ५ | श. | ३० | १० | ३१ | उ. | ३३ | ४० | ह. | [illegible] | [illegible] | कि. | २८ | ० | राक्षस | म. | २६ | १५ | ६ ४६ | २८ | १८ |

४ पूषायां ३ सूर्यः २।८ अभिजितिB
५ श्रवणे बुधः ५२।५० ।
६ भ. २१।१८ उ. ५२।४१ या. C
७ गणेशचौथी पूषायां ४ सूर्यः S
८ Cबुधस्याऽभिजिद्यागः ३५।२४A
९ भ. ५३।२२ उ. ।
१० भ. २२।१५ या. उत्तराषाढायां D
११ शनि अष्टमी व्रतं । S २०।३७ स्वात्यां २ भौमः १२।४० ।
१२ Bबुधः ३।२३ शततारकायां शुक्रः २८।५९ ।
१३ भ. ११।१६ उ. ३८।५१ या. मकरेऽर्कः ५१।२९ स्वात्यां३ भौमः २२।५
१४ संक्रान्तिः षट्तिला एकादशी व्रतं सर्वेषां ।
१५ प्रदोष व्रतं । D1 सूर्यः ३५।५४ ।
१६ भ. २१।५० उ. ४८।५६ या. (लेचह्ने) ।
१७ उत्तराषाढायां ३ सूर्यः ७७ पूर्वाभाद्रपदे शुक्रः २।४९ द. आ. ।
१८ त्रिवेणी स्नान मेला । Aउभायां २ राहुः उफायां ४ केतुः २।१४

| २८ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पौ. | ८ | ६ | ९ | ५ | १० | ११ | ११ |
| २१ | २० | ८ | ७ | १३ | ६ | २३ | १० |
| ग. | ६ | १८ | ५३ | ४८ | ९ | ५५ | ६ |
| ७ | ५२ | १९ | २४ | ४२ | ५५ | ३५ | १ |
| ११ | ६१ | ३३ | ७५ | २ | ६६ | १ | ३ |
| ५० | २३ | ३१ | १२ | २५ | २९ | २० | ११ |

१ पौ. — १ मा.

| २९ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पौ. | ८ | ६ | ९ | ५ | १० | ११ | ११ |
| २८ | २७ | १२ | १४ | १४ | १३ | २४ | १ |
| ग. | १६ | ८ | २५ | ७ | ४८ | १० | ४३ |
| ७ | ४१ | २४ | ५२ | ४९ | ९ | ४७ | ४४ |
| ११ | ६१ | ३२ | ५१ | १ | ६४ | २ | ३ |
| ४८ | १८ | ५८ | १६ | ४४ | ४५ | १९ | ११ |

| ४० | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा. | ९ | ६ | ९ | ५ | १० | ११ | ११ |
| ५ | ४ | १५ | १४ | १४ | २१ | २४ | ९ |
| ग. | २५ | ५१ | ४ | १६ | ११ | २९ | २१ |
| ७ | ५५ | ५९ | २३ | ४७ | ४७ | ५९ | २७ |
| ११ | ६१ | ३२ | ६ | १ | ६२ | ३ | ३ |
| ४४ | १२ | १८ | ४१ | ३१ | २९ | १ | ११ |

बु. १० — ८ — ११ — गु. — सू. ९ — ७ — म. — श. १२ रा. — के. ६ चं. — १ — ३ — २ — ४ — ५

स्था. वि. श्र. गमनम्
मे.मृ. पू.उ.अ.भ.सुखं
श. पू. उ. . . पीडा
श्र.भ.कृ.रो.मृ. लाभम्
श्रा. पु. वि. . हानिः
श्र.म.पु. उ.इ.चि.धनं

(माघ) श्रीविक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्रीसूर्योत्तरायणे शिशिरर्तौ माघ कृष्ण दशमी पर एकादश्यां तिथौ विशाखानक्षत्रे शूलोपरि गण्डयोगे बव करणे सोम वासरे श्रीसूर्योदयाद्गतघटीषु ५१।२९ श्रीसूर्यो धनुषात्मकरं प्रविष्टस्तदा दक्षिणायना हेमन्तर्तुः पौषागता उत्तरायणाः शिशिरर्तु माघाः प्राप्ता । वारतोध्वाङ्क्षी वैश्यमुखा नक्षत्रतो मिश्रा पशुमुखा कालतः पशुपालकर्णी अयनानाम्नीमकरसंक्रान्तिश्च प्राप्तेयं-सिंहा रूढा गजोपवाहना श्वेतवस्त्रा सशुण्डायुधा सुवर्णपात्र हस्ता अक्षताना कस्तूरीलेपा देव जातिः पुन्नागपुष्पा निविष्टा पथिकी नूपुरा भरणा बालापूर्वमुखा मुहूर्ताः ४५ धान्यर्घवृद्धिषु श्रेष्ठफलदा मासदेवता माधवः मासर्कोरुणः मकरे सूर्यः वृश्चिके चन्द्रः कन्यायां गुरुः तिथि वारन्चेति पठेत् ।

श्री. वि. सं. २०२५ ( नेपाली सं. १०८९ चौलाथ्व ) चैत्र शुक्लः उत्तरायणं वसन्तर्तुः (मार्च-अप्रेल) पा उभा रे. अश्ले. 

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशि | दि. | मा. | सु. | उ. | मा. | अ. | शाके १८९१ भारतीय फाल्गुन २८ देखि चैत्र १२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ६ | बु. | १ | ८ | ५३ | उ. | ७ | १४ | शु. | [illegible] | [illegible] | घा. | ३८ | ४९ | लुम्ब | मी. | २९ | ५० | ६ | २ | २८ | १९ | चन्द्रोदयः तैलाभ्यंगं निम्बपत्राशनं (चोबाहा दत्तैँ) वक्री A |
| | ७ | बृ. | २ | ८ | ४५ | रे. | ८ | ३८ | ब्र. | ५५ | ५ | तै. | ३९ | १९ | मित्र | ८।३८ | २९ | ५५ | ६ | १ | २९ | २० | उभायां २ सूर्यः २०।४० धनिष्ठा पञ्चक निवृत्तिः ८।३८ । |
| प्र. | ८ | शु. | ३ | ९ | ५३ | अ. | ११ | १९ | वै. | ५४ | १ | व. | ४१ | ४ | वज्र | मे. | ३० | ० | ६ | ० | ३० | २१ | भ. ४१।४ उ. । A शुक्रः३२।४७ अनुराधायां४भौमः ३४।३९ । |
| | ९ | श. | ४ | १२ | १६ | भ. | १५ | १० | वि. | ५३ | ४८ | व. | ४४ | २ | ध्वांक्ष | ३१।२५ | ३० | ४ | ५ | ५९ | १ | २२ | भ. १२।१६ या. । |
| | १० | र. | ५ | १५ | ४८ | कृ. | २० | १० | प्री. | ५४ | २५ | कौ. | ४८ | २ | धूम्र | वृ. | ३० | ९ | ५ | ५८ | २ | २३ | पूभायां ४ मीने बुधः ४७।२३ । |
| प्र. | ११ | सो. | ६ | २० | १७ | रो. | २६ | २ | आ. | ५५ | ३३ | ग. | ५२ | ४९ | प्रवर्द्ध | ५९।१३ | ३० | १४ | ५ | ५७ | ३ | २४ | उभायां ३ सूर्यः ११।५३ । |
| | १२ | मं. | ७ | २५ | २२ | मृ. | ३२ | २५ | सौ. | ५७ | २ | वि. | ५८ | ० | राक्षस | मि. | ३० | १८ | ५ | ५६ | ४ | २५ | भ. २५।२२ उ. ५८।० या. द्विपुष्करः २५।२२ या. । |
| | १३ | बु. | ८ | ३० | ३९ | आ. | ३९ | १ | शो. | ५८ | ३१ | व. | ३० | ३९ | मुशल | मि. | ३० | २२ | ५ | ५५ | ५ | २६ | अष्टमीव्रतं चैत्राष्टमी भवान्युत्पत्तिः (मत्स्येन्द्रनाथ रथयात्रा)। |
| | १४ | बृ. | ९ | ३५ | ४३ | पु. | ४५ | २० | अ. | ५९ | ४२ | वा. | ३ | ११ | सिद्धि | २८।४४ | ३० | २६ | ५ | ५५ | ६ | २७ | उभायां ४ सूर्यः ३३।५८ श्रीरामनवमी व्रतम् । |
| | १५ | शु. | १० | ४० | १२ | ति. | ५० | ५८ | सु. | ६० | ० | तै. | ७ | ५७ | उत्पात | क. | ३० | ३० | ५ | ५४ | ७ | २८ | V ( नुवाकोटमा देवी यात्रा २२ धारा स्नान )। |
| | १६ | श. | ११ | ४३ | ४४ | अ. | ५५ | ४३ | सु. | ० | १९ | व. | ११ | ५९ | मानस | ५५।४३ | ३० | ३४ | ५ | ५३ | ८ | २९ | भ. ११।५८ उ. ४३।४४ या. कामदा एकादशीव्रतं सर्वेषां । |
| | १७ | र. | १२ | ४६ | ६ | म. | ५९ | २२ | धृ. | [illegible] | [illegible] | व. | १४ | ५५ | मुद्गर | सिं. | ३० | ३८ | ५ | ५२ | ९ | ३० | रेवत्यां १ सूर्यः ५६।९ ज्येष्ठायां १ भौमः १५।३ पश्चिमास्तः C |
| | १८ | सो. | १३ | ४७ | १४ | पू. | ६० | ० | शू. | ५७ | ५ | कौ. | १६ | ४० | केतु | सिं. | ३० | ४२ | ५ | ५१ | १० | ३१ | सोम प्रदोषव्रतं । C शुक्रः २२।४३ । |
| | १९ | मं. | १४ | ४७ | ५ | पू. | १ | ४३ | वृ. | ५४ | २ | ग. | १७ | ९ | धूम्र | १७।० | ३० | ४६ | ५ | ५० | ११ | १ | भ. ४७।५ उ. ( [illegible] ४ ता. ३० ) रेवत्यां बुधः ४३।४१ । |
| | २० | बु. | १५ | ४५ | ४१ | उ. | २ | ५२ | ध्रु. | ५० | ३ | वि. | १६ | २३ | प्रवर्द्ध | कं. | ३० | ५० | ५ | ५० | १२ | २ | भ. १४।२३ या. पूर्णिमा व्रतं मन्वादि पूर्वोदितः शनिः ५।९ V |

१० ना. छु. १२

| ४९ | र. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चै. | ११ | ७ | १० | ५ | ११ | ० | ११ |
| ०. | ८ | १४ | २७ | ९ | २६ | ० | ६ |
| गा. | २ | १७ | ८ | २२ | २६ | ३३ | ० |
| ७ | ३८ | ५५ | ३१ | ४२ | ११ | ३१ | ५४ |
| १३ | ५९ | २१ | १०९ | ८ | १९ | ७ | ३ |
| ४८ | ३८ | ५० | ५६ | ४० | ३१ | २२ | ११ |

| ५० | र. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चै. | ११ | ७ | ११ | ५ | ११ | ० | ११ |
| १६ | १४ | १६ | १० | ८ | २३ | १ | ५ |
| गा. | ५९ | २० | ६ | २६ | ५६ | २६ | ३८ |
| ७ | ४ | २३ | १५ | ५८ | १४ | ३७ | ३८ |
| ५४ | ५९ | १९ | ११० | ८ | ३२ | ७ | ३ |
| ७ | २१ | १९ | ५९ | ३८ | ३४ | २४ | ११ |

१ श. १२ बु. ११
२ सू.शु.रा. १०
३ ९
४ चू.६के. मं. ८
५ ७

चैत्रमास कृत्यम्--वर्जयित्वा मधौ यस्तु दधि क्षीरं घृतं रसम् । दद्याद् वस्त्राणि सूक्ष्माणि रसवन्त्यऽशनानि च ॥ चैत्र कृष्ण चतुर्दश्यां केदार कुण्डो·
क पानं--चैत्र कृष्ण चतुर्दश्यामुपवासं विधाय च । केदारोदक पानेन तदानन्त फलं लभेदिति । पृथ्वी चन्द्रोदये पुलस्त्यः--चैत्र कृष्ण चतुर्दश्यां यः
याच्छिव सन्निधौ । न प्रेतत्वमवाप्नोति गङ्गायाश्च विशेषतः ॥ वारुणी [illegible]:—वारुणेन समायुक्ता मधौ कृष्ण त्रयोदशी । गङ्गायां यदि लभ्येत कोटि सूर्य ग्रहैः समा ॥ अत्र गङ्गा स्नानस्यैव
ाति शयः । महा वारुणी महामहा वारुणी योगश्च--शनिवार समायुक्ता सा महा वारुणी स्मृता । शुभयोग समायुक्ता शनौ शतभिषा यदि । महामहेति विख्याता त्रिकोटिकुल मुद्धरेत् ।

| | ग. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगा | चंद्रराशिः | दि.मा. | | सू. उ. | | भा | ज. | शाके १८९० भारतीय माघ २९ देखि फागुन १३ तक. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ६ | र. | १ | ५ | २९ | श्र. | ३० | ४१ | सि | ४७ | ३२ | बा. | ३३ | १६ | गद | ५९।२९ | २६ | १७ | ६ | ४५ | २९ | १९ | चन्द्रोदयः द्विपुष्करः ३०।४१ उ. धनि.प.प्र.५९।२९स्वात्यां ४C |
| | ७ | सो. | २ | [illegible] | ३१ | ध. | २८ | १८ | व्य. | ४१ | २२ | तै. | २९ | १७ | शुभ | कुं. | २६ | १९ | ६ | ४५ | ३० | २० | उत्तराषाढार्यां ४ सूर्यः २३।११ C भौमः ३१।३८ |
| प्र. | ८ | म. | ४ | ५४ | ५८ | श. | २६ | ५० | व. | २६ | ० | व. | २६ | १४ | मृत्यु | कुं. | २६ | २१ | ६ | ४४ | १ | २१ | भ.२६।१४उ.५४।५८या. अभिजिति सूर्यः२४।२४ मङ्गलचौथीव्रतं |
| | ९ | बु. | ५ | ५३ | ३२ | पू. | २६ | २६ | प. | २१ | २९ | व. | २४ | १५ | पद्म | ११।२२ | २६ | २४ | ६ | ४३ | २ | २२ | श्री पञ्चमी वसन्त श्रवणम् |
| | १० | बृ. | ६ | ५२ | २२ | उ. | २७ | ८ | शि. | २७ | ५५ | कौ. | २३ | २७ | छत्र | मी. | २६ | २६ | ६ | ४२ | ३ | २३ | श्रवणे १ सूर्यः ३८।५२ वक्रीगुरुः १९।२ |
| प्र. | ११ | शु. | ७ | ५४ | २८ | रे. | २९ | ६ | सि. | २५ | २० | ग. | २३ | ५५ | श्रीवत्स | २९। ६ | २६ | २८ | ६ | ४२ | ४ | २४ | भ. ५४।२८ उ. धनि.प.नि.२९।६ सूर्यस्याभिजित्यागः३१।१३O |
| | १२ | श. | ८ | ५६ | ५१ | अ. | ३२ | २० | सा. | २३ | ४६ | वि. | २५ | ३९ | सौम्य | मे. | २६ | ३० | ६ | ४२ | ५ | २५ | भ. २५।३९या. विशाखायां १ भौमः ५१।५५ शनि अष्टमीव्रतं |
| | १३ | र. | ९ | ६० | ० | भ. | ३६ | ४१ | शु. | २२ | ७ | बा. | २८ | ३७ | काल | ५२। २ | २६ | ३४ | ६ | ४१ | ६ | २६ | श्रवणे २ सूर्यः ५५।९ पूर्वाभाद्रपदे ४ मीने शुक्रः ५३।४६ |
| | १४ | सो. | ९ | ० | २३ | कृ. | ४२ | ७ | शु. | २२ | १७ | तै. | ३२ | ३८ | सुस्थिर | वृ. | २६ | ३८ | ६ | ४० | ७ | २७ | पश्चिमास्तोबुधः ४९।४६ द्रोण नवमी O वक्री बुधः ३५।४६ |
| | १५ | म. | १० | ४ | ५४ | रो. | ४८ | १२ | ब्र. | २४ | ७ | व. | ३७ | २९ | मातङ्ग | वृ. | २६ | ४२ | ६ | ३९ | ८ | २८ | भ. ३७।२९ उ. वक्रेण अभिजिति बुधः ३१।२८ शल्य दशमी |
| | १६ | बु. | ११ | १० | ४ | मृ. | ५४ | ४६ | ऐं. | २५ | २१ | व. | ४२ | ४७ | अमृत | २१।२९ | २६ | ४५ | ६ | ३९ | ९ | २९ | भ. १०।४या. भीमाएकादशी व्रतं सर्वेषां |
| प्र. | १७ | बृ. | १२ | १५ | २१ | आ. | ६० | ० | वै. | २६ | ४६ | कौ. | ४८ | ८ | काण | मि. | २६ | ४८ | ६ | ३८ | १० | ३० | प्रदोष व्रतं भीष्मद्वादशी(वटु माघयागा-सन्याङुली)श्रवणे ३S |
| | १८ | शु. | १३ | २० | ४३ | आ. | १ | १६ | वि. | २७ | ५६ | ग. | ५३ | ६ | पद्म | ५०।४७ | २६ | ५१ | ६ | ३७ | ११ | ३१ | S सूर्यः १०।४६ उभायां शुक्रः २०।४८ |
| | १९ | श. | १४ | २५ | २७ | पू. | ७ | १९ | प्री. | २८ | ३९ | वि. | ५७ | २० | छत्र | क. | २६ | ५५ | ६ | ३६ | १२ | १ | भ. २५।२७ उ. ५७।२० या. (फरवरी २ ता. २८) पूर्णिमाव्रतंR |
| | २० | र. | १५ | २९ | १३ | ति. | १२ | ३२ | आ. | २८ | ४० | व. | २९ | १२ | श्रीवत्स | क. | २६ | ५८ | ६ | ३६ | १३ | २ | श्रवणे४सूर्यः२७।३१श्रीस्वस्थानी व्रत पूर्ति(माघयागा-सिंपुहुनी) |
| + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + | + + + | | + | + | + | + | + | + | | R विशाखायां २ भौमः १९।४ बुधस्याऽभिजित्यागः ४।३९ |

| ४१ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा. | ९ | ६ | ९ | ५ | १० | ११ | ११ |
| १२ | ११ | १९ | १३ | १४ | २८ | २४ | ८ |
| ग. | ३४ | ३८ | ११ | १६ | १८ | ५५ | ५९ |
| ७ | ४६ | ५९ | ७ | ३५ | ४३ | ६ | १० |
| ११ | ६१ | ३१ | ४१ | १ | ५९ | ३ | ३ |
| ५२ | ८ | ४५ | २३ | ४६ | ३८ | ३७ | ११ |

| ४२ | र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा. | ९ | ६ | ९ | ५ | ११ | ११ | ११ |
| १९ | १८ | २३ | ७ | १४ | ५ | २५ | ८ |
| ग. | ४३ | १६ | ३७ | ७ | २ | २४ | ३६ |
| ७ | १४ | २४ | ४६ | ३२ | १७ | ३५ | ५३ |
| १२ | ६० | ३० | ४२ | ३ | ५५ | ४ | ३ |
| ० | ५९ | ३२ | ४० | १३ | ११ | २० | ११ |

शु.११
९
श. रा. १२
सू.बु.१०
८
१
मं.७
२
४
६ के. चं.
३
५

माघ स्नान मन्त्रः—दुःख दारिद्र्य नाशाय श्रीविष्णोः तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पाप विनाशनम् ॥ मकरस्थे रवौ माघे गोविन्दाच्युत माधवः। स्नानेनानेन मे देव यथोक्त फलदो भवः। मकरे दान विशेषो हेमाद्रौ स्कान्दे--धेनुं तिलमयीं राजन्दद्याद्यश्चोत्तरायणे। सर्वान्कामानवाप्नोति विन्दते परमं सुखम् ॥ अथ षड्तिला-तिलस्नायी तिलोद्वर्ती तिलहोमी तिलोदकी। तिलभुक् तिलदाता च षड् तिला पापनाशिनी ॥ अथ माघे ससुवर्णं तिलपात्र दानाद्रौक मनः कायज विविध पापक्षयः ब्रह्मलोक प्राप्तिश्च। प्रयाग महिमा महाभारते-तपनस्य सुता देवी त्रिषु लोकेषु विश्रुता। यमुना गङ्गया सार्धं सङ्गता लोकपावनी ॥ यां सर्व तीर्थैश्च प्रवदन्त्यधिकं विभो। तत्राभिषेकं यः कुर्यात्सङ्गमे लोकविश्रुते। पुण्यं सकलमाप्नोति राजसूयाश्वमेधयोः ॥

| | ग. | वा. | ति. | घं. | प. | न. | घं. | प. | यो. | घं. | प. | क. | घं. | प. | योगा | चंद्रराशि | दि. | मा | सू. उ. | भा | अं. | शाके १८९० भारतीय माघ १४ देखि २७ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | सो | १ | २१ | ५० | अ. | १६ | ५० | सौ. | २७ | ५३ | बा | ० | ३१ | सौम्य | १६।५० | २७ | १ | ६ ३५ | १४ | ३ | |
| | २२ | मं. | २ | २२ | १४ | म. | १९ | ५२ | शो. | २६ | ५ | तै. | २ | ३२ | काल | सिं | २७ | ५ | ६ ३४ | १५ | ४ | |
| प्र. | २३ | बु. | ३ | ३० | २० | पू. | २१ | २९ | अ. | २३ | २० | व. | ३ | १७ | सुस्थिर | ३६।४७ | २७ | ८ | ६ ३३ | १६ | ५ | स. ३।१७ उ. ३०।२० या. धनिष्ठायां १ सूर्यः ४३।५४ |
| | २४ | बृ. | ४ | ३२ | ९ | उ. | २२ | १३ | सु. | १९ | ३५ | व. | २ | ४४ | मातङ्ग | कं. | २७ | ११ | ६ ३३ | १७ | ६ | |
| | २५ | शु. | ५ | २९ | ४९ | ह. | २१ | ४० | धृ. | १४ | ५४ | कौ | ०/५८ | ५९/८ | अमृत | ५०।५१ | २७ | १४ | ६ ३२ | १८ | ७ | विशाखायां ३ भौमः ५८।५८ R रेवत्यां ४ शनिः ३२।३२ |
| व. | २६ | श. | ६ | २६ | २७ | चि. | २० | ३ | शू. | ९ | २१ | वि. | ५४ | १९ | काण | तु. | २७ | १७ | ६ ३२ | १९ | ८ | अ. २६।२७ उ. ५४।१९ या. D ५०।२४ रेवत्यांशुक्रः ५५।५२ |
| | २७ | र. | ७ | २२ | ११ | स्वा | १७ | ३५ | गं. | ३/५६ | ६/१५ | बा. | ४९ | ४३ | लुम्ब | वृ. | २७ | २० | ६ ३१ | २० | ९ | त्रिपुष्करः १७।३५ उ.२२।११या. रवि सप्तमीव्रतं अष्टमीव्रतञ्चK |
| | २८ | सो | ८ | १७ | १६ | वि. | १४ | २३ | ध्रु. | ४८ | ५६ | तै. | ४४ | ३२ | मित्र | ०।११ | २७ | २३ | ६ ३० | २१ | १० | |
| | २९ | मं. | ९ | ११ | ४९ | अ. | १० | ४२ | व्या | ४१ | २० | व. | ३८ | ५५ | वज्र | वृ. | २७ | २७ | ६ २९ | २२ | ११ | अ. ३८।५५ उ. K धनिष्ठायां २ सूर्यः ११६ |
| | १ | बु. | १० | ६ | ३ | ज्ये | ६ | ३९ | ह. | ३३ | २८ | व. | ३३ | ५ | ध्वांक्ष | ६।३९ | २७ | ३० | ६ २९ | २३ | १२ | अ.६।३ या. कुंभेर्कः १७।५८ संक्रान्तिः पूर्वोदितो बुधः ५३।२ |
| | २ | बृ. | ११ | ०/५४ | ८/२८ | मू. | २/५८ | ३०/५८ | व. | २५ | ३६ | कौ. | २७ | १४ | धूम्र | ध. | २७ | ३३ | ६ २८ | २४ | १३ | विजया एकादशी व्रत सर्वेषाम् |
| प्र. | ३ | शु. | १३ | ४८ | ४८ | उ. | ५४ | ४५ | सि | १७ | ५६ | ग. | २१ | ३४ | आनन्द | १२।३२ | २७ | ३७ | ६ २७ | २५ | १४ | अ.४८।४८उ. प्रदोषव्रतं वृश्चिकेभौमः ५२।४६व. हस्तभे१गुरुःD |
| | ४ | श. | १४ | ४३ | ४७ | श्र. | ५१ | २९ | व्य. | १० | ३५ | वि. | १६ | १७ | चर | म. | २७ | ४० | ६ २७ | २६ | १५ | अ.१६।१७या.श्रीमहाशिवरात्रीव्रतं(शिलाचह्रे)धनिष्ठायां४सूर्यःY |
| | ५ | र. | २० | ३९ | २५ | ध. | ४८ | ५६ | व. | ३/५७ | ३९/३ | च. | ११ | ३६ | मातंग | २०।१२ | २७ | ४३ | ६ २७ | २७ | १६ | धनि.प.प्र.२०।१२दर्शश्राद्धंमार्गीबुधः१४।१३ Y३५।४२मार्गीणR |

१ गा. सं. ४

| ४३ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मा | ९ | ६ | ९ | ५ | ११ | ११ | ११ |
| २६ | २५ | २६ | ४ | १३ | ११ | २५ | ८ |
| ग. | ५० | ४६ | ३६ | ४७ | ३६ | ५९ | १४ |
| ७ | २२ | ४० | २९ | ४१ | ५० | ३ | ३३ |
| १२ | ६० | ३० | ६ | ४ | ५१ | ४ | ३ |
| १० | ५१ | १८ | १२ | ३५ | ९ | ५६ | ११ |

| ४४ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फा | १० | ७ | ९ | ५ | ११ | ११ | ११ |
| ४ | २ | ० | ३ | १३ | १६ | २६ | ७ |
| ग. | ५६ | ९ | ३२ | १७ | ५२ | ३८ | ५९ |
| ७ | २३ | ४४ | ४७ | ५२ | २६ | ९ | १९ |
| १२ | ६० | २९ | ४० | ५ | ४५ | ५ | ३ |
| २१ | ४१ | ४९ | ३५ | ५० | १३ | ३० | ११ |

११
९
शु. १२
सू. बु. १०
८
१
७सं.
२
४
६ के. वृ.
३
५

| च. फ. | नृपभयं | कष्टं | श्रीसुख | लाभः | कार्यनाश | कुत्सितकं | श्रीप्राप्तिः | धननाश | धनलाभ | व्ययः | लाभः | सुखं |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| सू. फ. | लाभः | कर्मप्राप्ति | कान्तिक्ष | कष्टं | गमनं | शत्रुनाश | ईर्ष्या | मानना | श्रीप्राप्तिः | भयम् | स्थाननाश | व्ययः |

ज्ये. मू. पू. . . . . गमनं
उ.श्र.ध. श. पू.उ. सुखम्
रे. अ. भ. . . . . . पीडा
कृ.रो मृ.आ.पु.ति. वस्त्रम्
अ. मू. पू. . . . . . हानिः
उ.ह.चि.स्वा.वि.अ. धनम्

(फाल्गुन) श्रीविक्रम संवत् २०२५ शाके १८९० श्रीसूर्योत्तरायणे शिशिरर्तौ फाल्गुन कृष्ण दशमी पर एकादश्यां तिथौ ज्येष्ठापर मूल नक्षत्रे हर्षणयोगे व वकरणे बुध वासरे श्रीसूर्योदयाद्गत घटीषु: १७।५८ श्रीसूर्योमकरात्कुम्भं प्रविष्ट- स्तदा माघो गतः फाल्गुनः प्राप्तः। वारतो मन्दाकिनी क्षत्रिय सुखा नक्षत्रगतो राक्षसी अन्त्यज सुखा कालतो विप्रघ्नी विष्णुपदी नाम्नी कुम्भ संक्रान्तिश्च प्राप्तेयं-सिंहारूढा गजोपवाहना खेतवस्त्रा मुशुण्ड्या युधा सुवर्णपात्र हस्ता अन्नाशना कस्तूरी लेपा देवजातिः पुन्नाग पुष्पा निविष्ठा पथिकी नूपुरा भरणा बाला पूर्वमुखा मुहूर्ताः ३० धान्यं वृष्टिषु समफलदा मास देवता गोविन्दः मासांकः सूर्यः कुम्भे सूर्यः धनुषिचन्द्रः कन्यायां गुरुः तिथिवारचेतिपठेत्

| गे. | वा. | ति. | घ. | प. | न. | घ. | प. | यो. | घ. | प. | क. | घ. | प. | योगाः | चंद्रराशि | दि. | मा. | सू. | ब. | मा. | अं. | शाके १८९० भारतीय माघ २८ देखि फागुन १३ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | सो | १ | ३५ | ५४ | श. | ४७ | १५ | शि. | ५१ | ४५ | किं | ७ | ३९ | अमृत | कुं | २७ | ४६ | ६ | २६ | २८ | १७ | C भार्यां १ भौमः ६।२ । |
| ७ | मं. | २ | ३३ | २४ | पू. | ४६ | ३७ | सि | ४६ | ५९ | बा | ४ | ३९ | काण | ३१।४६ | २७ | ४९ | ६ | २६ | २९ | १८ | त्रिपुष्करः ३३।२४ या. शततारकायां १ सूर्यः ५२।५९ । |
| ८ | बु. | ३ | ३२ | १ | उ. | ४७ | ३ | सा. | ४३ | १० | तै. | २ | ४२ | लुम्ब | मी. | २७ | ५२ | ६ | २६ | ३० | १९ | मार्गेण श्रवणे बुधः ५०।२० । |
| ९ | बृ. | ४ | ३१ | ५४ | रे. | ४८ | ४५ | शु. | ४० | १८ | व. | १ | ५७ | मित्र | ४८।४५ | २७ | ५५ | ६ | २५ | १ | २० | भ. १।५७ उ. ३१।५१ या. धनिष्ठा पञ्चक निवृत्तिः ४८।४५ । |
| १० | शु. | ५ | ३३ | ३ | अ. | ५१ | ४३ | शु. | ३८ | २७ | व. | २ | २८ | वज्र | मे. | २७ | ५९ | ६ | २४ | २ | २१ | |
| ११ | श. | ६ | ३५ | ८ | भ. | ५५ | ५१ | ब्र. | ३७ | ३५ | कौ. | ४ | १५ | ध्वांक्ष | मे. | २८ | ३ | ६ | २३ | ३ | २२ | त्रिपुष्करः ५५।५१ उ. शततारकायां २ सूर्यः ११।१७ अनुरा C |
| १२ | र. | ७ | ३९ | १ | कृ. | ६० | ० | ऐं. | ३७ | ३४ | ग. | ७ | १४ | धूम्र | १२।९ | २८ | ७ | ६ | २२ | ४ | २३ | भद्रा ३९।१ उ. त्रिपुष्करः ३९।१ या. । |
| १३ | सो | ८ | ४३ | ३२ | कृ. | १ | ५ | वै. | ३८ | १७ | वि. | ११ | १६ | सुस्थिर | वृ. | २८ | १२ | ६ | २१ | ५ | २४ | भद्रा ११।१६ या. अष्टमी व्रतम् होलिकारम्भः । |
| १४ | मं. | ९ | ४८ | ४१ | रो. | ७ | ५ | वि. | ३९ | २८ | बा. | १६ | ६ | मातंग | ४०।१९ | २८ | १६ | ६ | २० | ६ | २५ | शततारकायां ३ सूर्यः २९।३४ । |
| १५ | बु. | १० | ५४ | ५ | मृ. | १३ | ३३ | प्री. | ४० | ५७ | तै. | २१ | २३ | अमृत | मि. | २८ | २० | ६ | १९ | ७ | २६ | |
| १६ | बृ. | ११ | ५९ | १५ | आ. | २० | ८ | आ. | ४२ | १७ | व. | २६ | ४० | काण | मि. | २८ | २४ | ६ | १८ | ८ | २७ | भ. २६।४० उ. ५९।१५ या. स्मार्तानां आमलकी एकादशी व्रत |
| १७ | शु. | १२ | ६० | ० | पु. | २६ | २० | सौ. | ४३ | १५ | व. | ३१ | ३२ | लुम्ब | ९।४७ | २८ | २९ | ६ | १७ | ९ | २८ | शततारकायां ४ सूर्यः ४८।४९ वै. आमलकी एकादशी व्रत |
| १८ | श. | १२ | ३ | ४९ | ति. | ३१ | ४६ | शो. | ४३ | ३४ | कौ. | ३५ | ३८ | मित्र | क. | २८ | ३२ | ६ | १६ | १० | १ | (मार्च ३ता.२१) शनि प्रदोष व्रतं अनुराधायां २ भौमः ४१।५ । |
| १९ | र. | १३ | ७ | २८ | श्ले. | ३६ | १८ | अ. | ४३ | ६ | ग. | ३८ | ४२ | वज्र | ३६।१८ | २८ | ३७ | ६ | १५ | ११ | २ | धनिष्ठायां बुधः १९।१ । |
| २० | सो | १४ | ९ | ५७ | म. | ३९ | ३९ | सु. | ४१ | ४१ | वि. | ४० | ३५ | ध्वांक्ष | सिं. | २८ | ४१ | ६ | १४ | १२ | ३ | भ. ९।५७ उ. ४०।३५ या. पूर्णिमा व्रतं भद्रान्ते चीरदाहः । |
| २१ | मं. | १५ | ११ | १३ | पू. | ४१ | ४१ | धृ. | ३९ | १८ | बा. | ४१ | १२ | धूम्र | ५६।५४ | २८ | ४५ | ६ | १४ | १३ | ४ | पूभायां १ सूर्यः ७।४५ ( होली पुह्री ) । |

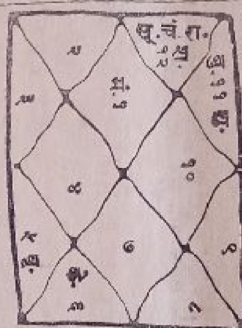
| ४५ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फा | १० | ७ | ९ | ५ | ११ | ११ | ११ |
| ११ | १० | ३ | १२ | १२ | २१ | २७ | ७ |
| ग. | १ | २३ | ४१ | ४२ | ४२ | १९ | ३० |
| ७ | १७ | ६ | ५२ | ३० | १२ | १९ | २ |
| १२ | ६० | २८ | ६८ | ६ | ३७ | ५ | ३ |
| ३३ | ३१ | २९ | १७ | २८ | ४५ | ५९ | ११ |

| ४६ | र. | म. | बु. | गु. | शु. | श. | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फा | १० | ७ | ९ | ५ | ११ | ११ | ११ |
| १८ | १७ | ६ | २१ | ११ | २५ | २८ | ७ |
| ग. | ४ | २७ | ४४ | ५९ | २५ | ५ | ७ |
| ७ | १२ | ८ | ४५ | ३० | ४० | ९ | ४५ |
| १२ | ६० | २७ | ८६ | ७ | २७ | ६ | ३ |
| ५३ | १९ | २२ | २४ | २७ | ४८ | २४ | ११ |




अथ शिवरात्री व्रत महात्म्यं—परात्परतरं नास्ति शिवरात्रिः परात्परं ।ये नार्चयन्ति भूतेशं रुद्रं त्रिभुवनेश्वरम् ॥ जन्तु जन्म सहस्रेषु भ्रमन्ते नात्र संशयः। वर्षे वर्षे महादेवी नरो नारी पतिव्रता ॥ शिवरात्रौ महादेवं नित्यं भक्त्या प्रपूजयेत् । अर्णवो यदि वा शुष्येत् क्षीयते हिमवानपि ॥ चलन्त्यन्ते कदाचिद्व निश्चलं हि शिवव्रतम् । ...उवाच--मम भक्तास्तु यो देवि शिवरात्री सुपोषकः । गणत्वमक्षयं दिव्यं लभते शिव शासनात् । सर्वान् भुक्त्वा महोभोगान् ततो मोक्ष मवाप्नुयात् ॥ चीर भस्म धारण मन्त्रः-- ...दत्तासि सुरेन्द्रेण ब्रह्मणा शंकरेण च । अतस्त्वं पाहिनो देवी भूते भूति प्रदोभव ॥

| | ग· | वा· | ति. | घ· | प· | न· | घ· | प· | न· | घ· | प· | क· | घ· | प· | योग | चन्द्रराशि | | दि.मा. | | सू. उ. | | आ | चं. | शाके १८९१ भारतीय चैत्र १२ देखि २२ तक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २१ | बु· | १ | ४३ | ८ | ह· | २ | ४८ | व्या | ४५ | १० | वा· | १४ | २४ | राक्षस | ३२ | २३ | ३० | ५४ | ५ | ४९ | १३ | ३ | रेवत्यां २ सूर्यः १८।२३ । |
| | २२ | बृ· | २ | ३९ | ३३ | चि· | [illegible] | [illegible] | ह· | ३९ | २७ | तै· | ११ | २० | मुसल | तु· | | ३० | ५९ | ५ | ४९ | १४ | ४ | |
| प. | २३ | शु· | ३ | ३५ | ६ | वि· | ५६ | ४१ | व· | ३३ | ५ | व· | ७ | १९ | शुभ | ४२ | २३ | ३१ | ३ | ५ | ४८ | १५ | ५ | भ. ७।१९ उ. ३५।६ या. । |
| | २४ | श· | ४ | २९ | ५९ | अ· | ५३ | ११ | सि | २६ | ८ | व· | [illegible] | [illegible] | मृत्यु | वृ· | | ३१ | ७ | ५ | ४७ | १६ | ६ | रेवत्यां ३ सूर्यः ४१।४५ । |
| | २५ | सो | ५ | २४ | २२ | ज्ये· | ४९ | १६ | व्य· | १८ | ४७ | ग· | ५१ | २३ | पद्म | ४९ | १६ | ३१ | ११ | ५ | ४६ | १७ | ७ | Aअष्टमी व्रतं । |
| प्र. | २६ | मं· | ६ | १८ | २५ | मू· | ४५ | ९ | व· | ११ | १० | वि· | ४५ | २३ | छत्र | ध | | ३१ | १५ | ५ | ४६ | १८ | ८ | भ. १८।२५ उ. ४५।२३ या. । |
| | २७ | बु· | ७ | १२ | २१ | पू· | ४१ | १ | प· | [illegible] | [illegible] | वा· | २९ | २३ | श्रीवत्स | ५५ | ३ | ३१ | १९ | ५ | ४५ | १९ | ९ | पूर्वोदितः शुक्रः ५।१७A |
| | २८ | बृ· | ८ | ६ | २५ | उ· | ३७ | ९ | सि | ४८ | २० | तै· | ३३ | ३६ | सौम्य | म· | | ३१ | २३ | ५ | ४४ | २० | १० | वक्रेण उभायां शुक्रः४१।३७ । |
| प्र. | २९ | शु· | ९ | [illegible] | [illegible] | श्र· | ३३ | ३९ | सा· | ४१ | १७ | व· | २८ | १३ | धूम्र | म· | | ३१ | २७ | ५ | ४३ | २१ | ११ | भ. २८।१३ उ. ५५।३९ या. । |
| | ३० | श· | ११ | ५१ | ९ | ध· | ३० | ४६ | शु· | ३४ | ४४ | | ३३ | २४ | प्रवर्द्ध | | | ३१ | ३१ | ५ | ४२ | २२ | १२ | एकादशी वरुथिनीव्रत |
| | + | र. | ४७ | ३२ | + | श. | २८ | ९ | शु· | २८ | ४९ | + | १९ | २० | रक्षः | + | | + | + | + | + | + | + | |



| ५१ | र· | म· | बु· | बृ· | शु· | श· | रा· |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चै. | ११ | ७ | ११ | ५ | ११ | ० | ११ |
| २३ | २१ | १७ | २३ | ७ | १९ | ५ | ५ |
| ग· | ५४ | ५८ | ५ | ३३ | ५७ | २१ | १६ |
| ७ | ३ | १७ | २३ | २ | ८ | ४३ | २० |
| १४ | ५९ | १५ | १०९ | ८ | ३६ | ७ | ३ |
| २६ | ३ | २८ | ४३ | २५ | ९ | ३७ | ११ |

श. १ ११ २ सू.बुशु.रा. १२ १० ३ ९ ४ के.६बृ. मं. ८ ५ ७

जगल्लग्नं ३।१




| मेष विषुवचक्रम् | फलानि··· | तुलाविषुवचक्रम् |
|---|---|---|
| ति. अ. म. पू. उ. ह.चि. | शीर्षे···मूलाभः | रो. मृ. आ.पु. ति. अ.म. |
| मृ. आ. पु. | मुखे···पाण्डित्यम् | अ. भ. कृ. |
| रे. अ. भ. कृ. रो. | हृदि···धनागमम् | ध.श. पू. उ. रे. |
| श. पू. उ. | दक्षकरे···स्त्रीलाभ | पू. उ. श्र. |
| उ. श्र. ध. | वामकरे···मैत्रम् | अ. ज्ये. मू. |
| ज्ये. मू. पू. | दक्षपादे···भ्रमणम् | चि. स्वा. वि. |
| स्वा. वि. अ. | वामपादे···कष्टम् | पू. उ. ह. |

मेषविषुवत्को शान्तिः---उशीर वाल प्रियुंगु गोरोचन सहदेवी कमलपत्र माधवको प्रतिमा कलश वस्त्र पूजाभाग दानप्रतिष्ठा, ब्राह्मण भोजन दक्षिणा त्रिमधुले होम, वामपाद पर्नेले केहि शान्ति अवश्य गर्नुपर्छ ।

तुलाविषुवत्को शान्ति---उशीर, वाल, अगरू, कपूर, श्रीखण्ड रक्तचन्दन, कूट, लोध, गोरोचन, गोविन्दको प्रतिमा कलश, पहेंलोवस्त्र, सेतोफूल पञ्चामृत, गोदान, दानप्रतिष्ठा भोजन, दक्षिणा [illegible]